E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 154 | गुवाहाटी | गुरुवार, 2 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

मणिपुर में तड़के पहाड़ी से बरसे गोले ग्रामीणों को निशाना बनाना चाहते थे उग्रवादी — पेज 2
सीएम शर्मा ने फरवरी 2025 के एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन के लिए ... — पेज 3
मुख्यमंत्री नीतीश और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने जारी किया संपत्तियों ... — पेज 5
आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग अंक, हासिल करने वाले भारतीय... — पेज 7

2028 तक एक मिलियन की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनेगा असम : सीएम

■ गोहपुर व नुमालीगढ़ के बीच ब्रह्मपुत्र नद के नीचे बनेगी चार लेन की सुरंग, ■ वर्ष 2026 तक जैव ईंधन से चलने वाली बसें हो सकती हैं बंद

■ विकसित भारत समाचार

नए वर्ष के पहले दिन मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी सरकार के पिछले वर्ष की उपलब्धियों और नए वर्ष में शुरू होने वाली योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि असम इलेक्ट्रिक बसें चलाने वाला छठा राज्य है और वर्ष 2026 तक जैव ईंधन से चलने वाली बसों को बंद करने का विचार है। डॉ शर्मा बुधवार को राजधानी के कोइनाधारा स्थित गेस्ट हाऊस में मीडियाकर्मियों के साथ विशेष वार्ता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया के सवालों का बेबाकी से उत्तर दिए। मुख्यमंत्री के *नए दिन पर चर्चा* कार्यक्रम में डॉ शर्मा ने प्रदेशवासियों की आशाओं पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए *स्वागत सतीर्थ* पोर्टल लॉन्च किया। इसके जरिए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को आपसी सूझबूझ से ट्रांसफर का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों का पारदर्शी तरीके से तबादला करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। बोहाग बिहू से पहले तबादले की प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरी ओर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए निःशुल्क बीमा की व्यवस्था की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में कैबिनेट की 33 बैठकें हुई हैं, जबकि 23 दिसंबर, 2024 तक 145 कैबिनेट बैठकें हुई। इन 145 कैबिनेट बैठक में 1922 निर्णय लिए गए। 1922 निर्णयों में से 1876 निर्णयों को लागू किया गया है। यानी 97.61 प्रतिशत निर्णयों को लागू किया गया है। 54 ई-कैबिनेट बैठकें संपन्न हुईं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 तक राज्य एक मिलियन अर्थव्यवस्था वाला राज्य हो जाएगा। असम की जीडीपी देश में 17वें स्थान पर है। डॉ. शर्मा ने कहा कि वर्ष 2024 में टाटा का सेमी-कंडक्टर प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू हो गया है। यह परियोजना में 27,000 करोड़ रुपए की है। निवेश किया गया है। असम के पुराने राजवंश अहोम साम्राज्य से सम्बंधित चराइदेव के मैदाम को विश्व धरोहर के रूप में मिली। पिछले वर्ष असमिया भाषा को एक शास्त्रीय भाषा का दर्जा केंद्र सरकार ने दिया है। अब हम इसे यूनिकोड के दायरे में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार निष्पक्षता से अब तक एक लाख 24 हजार 680 युवाओं की भर्ती कर चुकी है। उन्होंने कहा कि असम में आपराधिक मामलों और महिलाओं के खिलाफ मामलों की संख्या में कमी आई है। महिलाओं के खिलाफ अपराध दर में 82.19 प्रतिशत की कमी आई है। बाल विवाह के खिलाफ कुल 7361 मामले दर्ज कर 5978 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार विरोधी 60 अभियानों में 74 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनमें से 69 सरकारी कर्मचारी और चार बिचौलिए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौता : धारा 6 को लागू करने के लिए आसू के साथ चल रही है बातचीत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि चर (नदी) क्षेत्रों में भूमि के भूकर सर्वेक्षण जैसे कुछ बहस योग्य मुद्दे हैं और राज्य की स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा के लिए असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए अखिल असम छात्र संघ (आसू) के साथ चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि समिति की अधिकांश सिफारिशें राज्य सरकार द्वारा अप्रैल तक लागू कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न समुदायों के बीच संबंधों में काफी सुधार हुआ है और अधिकांश मुद्दे बिना किसी बहस के हल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, चर इलाकों में कैडस्ट्रल सर्वे जैसे मुद्दे हैं और हमें यह जानना होगा कि असमिया समुदाय इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने ब्रह्मपुत्र पर चीन के प्रस्तावित बांध से विनाशकारी प्रभाव की चेतावनी दी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांध पर चिंता जताई है तथा विनाशकारी पारिस्थितिक परिणामों के प्रति आगाह किया है। नए साल के दिन मीडिया से बात करते हुए शर्मा ने नदी के अनिश्चित भविष्य पर प्रकाश डाला, जो असम और पड़ोसी क्षेत्रों के लाखों लोगों की आजीविका का केंद्र है। शर्मा ने कहा कि यह मामला पहले से ही हमारे संज्ञान में है। भारत सरकार ने चीनी पक्ष को अपनी चिंता से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा भारत और चीन के बीच चल रही -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के बहुसंख्यक कर रहे भारत में घुसपैठ : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच वहां से कई लोग पलायन कर भारत आ रहे हैं। इस बीच असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि हाल के महीनों में बांग्लादेश से राज्य में आने वाले लोगों में से अधिकांश पड़ोसी देश के बहुसंख्यक समुदाय के हैं। हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि जो लोग अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे हैं, वे मुस्लिम बहुल बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग के श्रमिक हैं, जो वहां संकट के बाद खराब स्थिति में हैं और वे उसी क्षेत्र में शामिल होने के लिए तमिलनाडु जाना चाहते हैं। असम के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर : कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी

इंफाल। नए साल के मौके पर मणिपुर सरकार ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस फैसले के बाद अब कर्मचारियों को 39 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा, जो पहले 32 प्रतिशत था। सरकार के इस कदम से राज्य के 1 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा। हालांकि, यह महंगाई भत्ता अभी भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के मुकाबले 14 प्रतिशत कम है। केंद्र के कर्मचारी वर्तमान में 53 प्रतिशत डीए प्राप्त कर रहे हैं। केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता हर छह महीने में सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत बढ़ाया जाता है। माना जा रहा है कि केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता भी जल्द ही बढ़ सकता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने राज्य में विस्थापित लोगों की सहायता के लिए भी अहम पहल की है। मुख्यमंत्री उद्यमिता सहायता योजना -शेष पृष्ठ दो पर

नए साल पर किसानों को मिला बड़ा तोहफा

सरकार ने फर्टीलाइजर पर सब्सिडी का किया एलान

नई दिल्ली। सरकार ने डीएपी उर्वरक को 1,350 रुपए प्रति बोरी के भाव पर किसानों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को 31 दिसंबर, 2024 से आगे बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया। इससे सरकारी खजाने पर 3,850 करोड़ रुपए तक का बोझ पड़ेगा। पिछले साल केंद्र सरकार ने एक अप्रैल से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए 3,500 रुपए प्रति टन के हिसाब से डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर 2,625 करोड़ रुपए का एकबारगी विशेष पैकेज देने की घोषणा की थी। यह पैकेज गैर-यूरिया पोषक तत्वों पर सरकार की तरफ से तय पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस विशेष पैकेज को एक जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक की अवधि के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें डीएपी पर 3,500 रुपए प्रति टन की दर से सब्सिडी देने का प्रावधान है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। डीएपी पर विशेष पैकेज पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी के अलावा दिया जाएगा ताकि किसानों को सस्ते दाम पर डीएपी उर्वरक उपलब्ध कराई जा सके। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कुएं में डूबने से पांच की मौत

हजारीबाग (हि.स.)। झारखंड के हजारीबाग में बुधवार को कुएं में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। घटना चरही के चुरचू प्रखंड स्थित सरबहा गांव में हुई। एक युवक पत्नी से विवाद के बाद बाइक सहित कुएं में कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसे बचाने के लिए चार अन्य लोग भी कुएं में उतरे और उनकी भी जान चली -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी तहव्वुर राणा जल्द लाया जाएगा भारत

नई दिल्ली। मुंबई हमले के आतंकी तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जाएगा। 26/11 हमले में शामिल राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका की तरफ हरी झंडी दे दी गई है। अमेरिकी कोर्ट में इसे भारत की बड़ी जीत के रूप में है। अगस्त 2024 में अमेरिकी कोर्ट ने भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने का आदेश दिया था, जिसके बाद अब उसे भारत वापस लाया जा रहा है। भारत की प्रत्यर्पण -शेष पृष्ठ दो पर

बोरवेल में गिरी चेतना को 10 दिन बाद निकाला, नहीं बची जान

कोटपूतली (हि.स.)। राजस्थान के किरतपुरा के बड़ियाली की ढाणी में 23 दिसंबर को बोरवेल में गिरी तीन वर्षीय चेतना को 10 दिनों की लंबी मशक्कत के बाद बुधवार शाम 6:25 बजे बाहर निकाला गया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। चेतना 170 फीट गहराई में फंसी थी। वह बोरवेल में 10 दिनों तक भूखे-प्यासे फंसी रही। एनडीआरएफ ने बोरवेल के समानांतर सुरंग बनाकर चेतना को निकाला। टीम के अनुसार, जब चेतना को -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी कहा-1000 हिंदू मारेंगे...

नई दिल्ली। महाकुंभ 2025 के लिए तैयारियां लगभग पूरी चुकी है। श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो चुका है, पुलिस प्रशासन और सरकार इस आयोजन की सुरक्षा के लिए कमर कसी हुई है। इसी बीच महाकुंभ में बम ब्लास्ट करने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसर पठान नाम की आईडी से धमकी दी गई है। इसमें लिखा है- ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। 1000 हिंदुओं को मारेंगे। आपको बता दें कि महाकुंभ 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक चलेगी, जिसमें लगभग 50 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। वहीं, 31 दिसंबर को विपिन गौर नाम के युवक ने पोस्ट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए री-ट्वीट किया। स्क्रीन शॉट भी शेयर किया। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर और सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी भेजी गई। पुलिस अब पोस्ट करने वाले शख्स को तलाश रही है। इससे पहले, 24 दिसंबर को -शेष पृष्ठ दो पर

वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली में बनेगा कॉलेज, कल पीएम रखेंगे आधारशिला

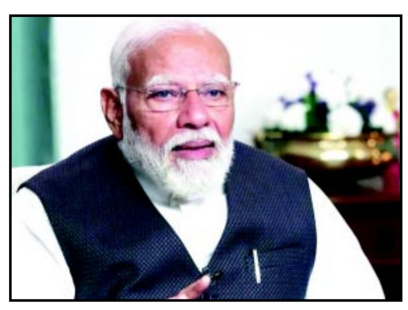

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 जनवरी को वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नए कॉलेज की आधारशिला रख सकते हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी दिल्ली में दो नए विश्वविद्यालय परिसर का भी आधारशिला रख सकते हैं। विश्वविद्यालय के सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 जून द्वारा पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दो नए दिल्ली विश्वविद्यालय परिसरों और वीर सावरकर के -शेष पृष्ठ दो पर

लुइसियाना में नए साल के जश्न पर आतंकी हमला वाहन से कुचलकर 10 की मौत, 30 से ज्यादा घायल

न्यू आर्लींस (अमेरिका)। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के न्यू आर्लींस में एक वाहन भीड़ में घुस गया, जिससे दस लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घटना बोर्बन स्ट्रीट पर नए साल के जश्न के दौरान हुई। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट ने यह जानकारी दी। न्यू आर्लींस पुलिस ने कहा कि वह इस भीषण हादसे से निपट रहे हैं। एक कार ने कथित तौर पर लोगों को कुचला। न्यू आर्लींस के मेयर लाटोया कैंट्रेल ने इसे आतंकवादी हमला कहा है। मीडिया से बातचीत में कैंट्रेल ने कहा कि हमें पता है कि न्यू आरलींस शहर पर आतंकवादी हमला हुआ है। घटना की जांच चल रही है। वहीं, मेयर के बयान के कुछ समय बाद एफबीआई एजेंट ने मीडिया से कहा कि यह कोई आतंकवादी घटना है या नहीं इसकी जांच चल रही है। हालांकि, एफबीआई के न्यू आर्लींस कार्यालय की प्रभारी एलेथिया डंकन ने कहा कि घटना स्थल पर एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद हुआ है। हम यह पुष्टि करने का प्रयास कर रहे हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम बस्ती में मिला 44 साल पुराना शिव मंदिर, खंडित मिली मूर्तियां

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में लंबे समय के बाद दौलताबाग क्षेत्र में एक मंदिर को स्थानीय प्रशासन और अधिकारियों द्वारा फिर से खोला गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि 44 वर्षों बाद इस मंदिर को सोमवार को दोबारा खोला गया। यह मंदिर ऐसे समय में फिर से खोला गया है जब उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कई बंद पड़े मंदिरों को फिर खोला जा रहा है। इस मामले पर नागफनी थाना के निरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि प्रशासन के आदेश पर पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों की एक टीम ने इस मंदिर को खोलने का काम शुरू किया। इसको लेकर किसी का कोई विरोध या अशांति नहीं रही और स्थानीय लोग इस प्रयास में सहयोग कर रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में तड़के पहाड़ी से बरसे गोले ग्रामीणों को निशाना बनाना चाहते थे उग्रवादी

इंफाल। मणिपुर में बुधवार तड़के संदिग्ध उग्रवादियों ने इंफाल जिले के कदांगबंद इलाके में हमला किया। कांगपोकपी के पहाड़ी इलाकों से उग्रवादियों ने देर रात करीब एक बजे निचले इलाके में अत्याधुनिक हथियारों से कई राउंड गोलीबारी की और बम फेंके। गांव में तैनात वालंटियर ने भी जवाबी कार्रवाई की। लेकिन हालात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को क्षेत्र में भेजा गया। हालांकि पुलिस ने गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि हमले के बाद गांव के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। राज्य में मई 2023 में भड़की हिंसा के बाद से कदांगबंद इलाके में कई बाद संदिग्ध उग्रवादियों ने हमले किए हैं। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर और थौबल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। बिष्णुपुर जिले के थोंगखोंगलोक गांव से सुरक्षा बलों ने मंगलवार को मैगजीन के साथ एक एसएलआर, एक प्वाइंट 303 राइफल, एक 12 बोर सिंगल बैरल गन, मैगजीन सहित दो 9 एमएम पिस्टल, एक एंटी रॉयट गन, दो इंसास एलएमजी मैगजीन, दो इंसास राइफल मैगजीन, चार हैंड ग्रेनेड, एक डेटोनेटर, पांच एंटी रॉयट शेल, गोला-बारूद और अन्य सामान जब्त किया है। इसके अलावा थोबाल जिले से सुरक्षाबलों ने साइट स्कोप से मॉडिफाइड एक एंटी मैटेरियल राइफल स्नाइपर और मैगजीन, दो सिंगल बोल्ट एक्शन राइफल, तीन 9 एमएम पिस्टल, एक हैंड ग्रेनेड, चार एमएक 13टी और गोला-बारूद बरामद किया है।

महाराष्ट्र में आठ पाकिस्तानियों को 20 साल की कैद

मुंबई। मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बुधवार को एक विशेष अदालत ने 2015 में 200 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त करने के मामले में आठ पाकिस्तानी नागरिकों को 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही सभी दोषी को 2-2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि इन नशीले पदार्थों की कीमत करीब 7 करोड़ रुपए थी। मामले में सुनवाई के दौरान एनडीपीएस अधिनियम मामलों के विशेष न्यायाधीश शशिकांत बांगर ने इन आठ लोगों को मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराया और उन्हें अधिकतम 20 साल की सजा सुनाई। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। गौरतलब है कि 2015 में भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात के तट से 232 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी, जिसकी कीमत 6.96 करोड़ रुपए थी। इस मादक पदार्थ को एक नाव से ले जाया जा रहा था, जिसमें 11 ड्रम थे, जिनमें 20 प्लास्टिक पाउच में गेहूं रंग का पाउडर था। जांच में यह पाउडर हेरोइन निकला। जानकारी के अनुसार आठ आरोपियों के पास से तीन सैटेलाइट फोन, जीपीएस नेविगेशन चार्ट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए गए थे। बाद में इन्हें दक्षिण मुंबई में येलो गेट पुलिस को सौंप दिया गया।

बांग्लादेश में चुनाव लड़ सकती है अवामी लीग

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने कहा है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर यदि सरकार या न्यायपालिका प्रतिबंध नहीं लगाती तो पार्टी चुनाव लड़ सकती है। एक खबर के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने सोमवार को चटगांव सर्किट हाउस में चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। नसीरुद्दीन ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र है और उस पर कोई बाहरी दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीईसी ने पिछले चुनावों में फर्जी मतदाताओं के मुद्दे को भी स्वीकार किया और मतदाता पंजीकरण में गिरावट का कारण मतदान प्रक्रिया में अविश्वास को बताया। उन्होंने जल्द ही मतदाता सूची अद्यतन करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची अगले छह महीनों में अद्यतन कर दी जाएगी। इस बार चुनाव पिछले बार की तरह नहीं होंगे। पांच अगस्त के बाद से चुनावी मामलों पर राष्ट्रीय सहमति बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

पलटन बाजार में मुख्यमंत्री ने फुट ओवर ब्रिज का किया लोकार्पण

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री ने नव वर्ष के अवसर पर गुवाहाटी के व्यस्त पलटन बाजार में फुट ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया। इस पुल का निर्माण लगभग 17 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। यह ओवर ब्रिज न केवल जीएस रोड को सुरक्षित तरीके से पार करने की सुविधा देगा, बल्कि रेलवे स्टेशन और एएसटीसी बस स्टैंड तक यात्रियों के आवागमन को भी आसान बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना शहर में पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सहूलियत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का किया आदान-प्रदान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार 1 जनवरी को राजनयिक चैनलों के माध्यम से दिल्ली और इस्लामाबाद में एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दोनों पक्षों को एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने से रोकता है। दोनों देशों के बीच करीब तीन दशक से अधिक समय से ये सिलसिला लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने वाले एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ। विदेश मंत्रालय के मुताबिक कि भारत और पाकिस्तान ने आज राजनयिक चैनलों के माध्यम से, नई दिल्ली और इस्लामाबाद में, परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले के निषेध पर समझौते के तहत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया। सूची का आदान-प्रदान कश्मीर मुद्दे के साथ-साथ सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों देशों के बीच खराब संबंधों के बीच हुआ। समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए और 27 जनवरी, 1991 को यह लागू हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच हर साल कैलेंडर ईयर के पहले दिन यानी एक जनवरी को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक दूसरे के साथ जानकारी साझा करने का प्रावधान है। ये सूची राजनयिक माध्यमों से एक-दूसरे को सौंपी जाती है। सख्ती के साथ दोनों ही देश इस समझौते का पालन किया जाता है। इस सूची का आदान-प्रदान कश्मीर मुद्दे के साथ-साथ सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में गतिरोध के बीच हुआ है। यह दोनों देशों के बीच ऐसी सूचियों का लगातार 35वां आदान-प्रदान है, पहला आदान-प्रदान 1 जनवरी 1992 को हुआ था। भारत और पाकिस्तान के बीच ये समझौता विश्वास बहाली का एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि दोनों देश एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करेंगे। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों और प्रतिष्ठानों के संभावित उपयोग से बचाव करना और क्षेत्रीय स्थिरता को को बनाए रखना था।

जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को किया समाप्त

हरारे (हि.स.)। जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है, यह उस देश में व्यापक रूप से अपेक्षित कदम था जिसने लगभग दो दशक पहले आखिरी बार यह सजा दी थी। 1960 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा को एक बार खुद मौत की सज़ा का सामना करना पड़ा था। संसद से एक विधेयक पारित होने के बाद राष्ट्रपति मनांगाग्वा ने इस सप्ताह कानून को मंजूरी दी। जिम्बाब्वे में लगभग 60 कैदी मौत की सजा पर हैं, और नए कानून से उन्हें राहत मिली है। देश ने आखिरी बार दो दशक पूर्व वर्ष 2005 में किसी को फांसी दी थी। अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था *एमनेस्टी इंटरनेशनल* ने मंगलवार को मृत्युदंड को समाप्त करने संबंधी इस कानून को क्षेत्र में उन्मूलनवादी आंदोलन के लिए आशा की किरण बताया है। मृत्युदंड के

पृष्ठ एक का शेष

2028 तक एक...

डॉ शर्मा ने राज्य की विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि गुवाहाटी में कई नई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी लिंक ब्रिज का उद्घाटन जून-जुलाई में किया जाएगा। इस पुल का नाम कुमार भास्कर बर्मन के नाम पर रखा गया है। नारंगी-कुरुवा पुल पर काम फरवरी में शुरू होगा। पलाशबाड़ी-शुआलकुची पुल पर काम शुरू हो चुका है। 56 इलेक्ट्रिक बसों की सेवा शुरू की गई है। जनता को 2025 तक 100 और इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। 2026 में गुवाहाटी में डीजल बसों को बंद करने पर विचार हो रहा है। ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर का काम एक साल के भीतर पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि असम इलेक्ट्रिक बसें चलाने वाला छठा राज्य है। उन्होंने कहा कि बिजली का बिल कम करने के प्रयास हो रहे हैं। बिजली दर 50 पैसे से 1.50 रुपए तक कम किया जाएगा। बोहाग बिहू से बिजली की दरें कम की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से ब्रह्मपुत्र नद के नीचे से चार लेने की सुरंग गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। इससे राज्य की यातायात व्यवस्था को बहुत बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि काजीरंगा में एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। नतीजतन बेरोजगार युवाओं को फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री के रात गुजारने के बाद से काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग अशांति के कारण नष्ट हो गया है, परिणामस्वरूप देश में तथाकथित बहुसंख्यक श्रमिक भारत में प्रवेश कर रहे हैं। असम पुलिस उन्हें पकड़कर वापस कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस साल लगभग एक हजार बांग्लादेशियों को पकड़कर निर्वासित किया गया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा की भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जितना अधिक उधार लेंगे, उतना ही हमारी जीडीपी बढ़ेगी। विपक्ष यह नहीं बताता कि हमारी जेब कितनी बढ़ी है। विपक्ष की जिन राज्यों में सरकारें हैं, वहां कर्ज लेते हैं या नहीं, इस पर वे कुछ भी नहीं बोलते। इस साल हमने तरुण गोगोई सरकार के समय में लिए गए ऋण को पूरी तरह से चुका कर हमने वर्ष 2014 तक असम को कर्ज मुक्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने असम सरकार को 27 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने की अनुमति दी है, लेकिन हमने केवल 17 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पलटन मार्केट में फुटब्रिज का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने खानापाड़ा में मिनी आईएसबीटी के शुभारंभ के साथ 56 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के सभी मंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक के साथ ही अन्य विभागों के सचिव एवं काफी संख्या में वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे।

असम समझौता : धारा ...

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर बहस हो सकती है और विभिन्न वर्ग इसकी समीक्षा चाहते हैं। हम इस और अन्य मुद्दों पर आसू के साथ चर्चा कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि चर (नदी) क्षेत्रों में भूमि के भूकर सर्वेक्षण जैसे कुछ बहस योग्य मुद्दे हैं और राज्य की स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा के लिए असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए अखिल असम छात्र संघ (आसू) के साथ चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि समिति की अधिकांश सिफारिशें राज्य सरकार द्वारा अप्रैल तक लागू कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न समुदायों के बीच संबंधों में काफी सुधार हुआ है और अधिकांश मुद्दे बिना किसी बहस के हल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, चर इलाकों में कैडस्ट्रल सर्वे जैसे मुद्दे हैं और हमें यह जानना होगा कि असमिया समुदाय इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर बहस हो सकती है और विभिन्न वर्ग इसकी समीक्षा चाहते हैं। हम इस और अन्य मुद्दों पर आसू के साथ चर्चा कर रहे हैं। कैडस्ट्रल सर्वेक्षण एक लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक द्वारा किसी संपत्ति की सीमाओं, आयामों और अन्य विवरणों का आधिकारिक माप होता है। सर्वेक्षण के परिणामों का उपयोग कैडस्ट्रल मानचित्र बनाने के लिए किया जाता है, जो भूमि के टुकड़ों के बारे में आधिकारिक जानकारी का एक डेटाबेस होता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्य सरकार के लिए रखी गई सिफारिशों को लागू कर दिया जाएगा। सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की भर्ती का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भर्ती के लिए एक अधिवास नीति की आवश्यकता है, क्योंकि उच्च न्यायालय आमतौर पर स्थानीय लोगों के पक्ष में मामलों को यह कहकर खारिज कर देता है कि नौकरियां पूरे देश के लोगों के लिए हैं। बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशें केवल ब्रह्मपुत्र घाटी के जिलों पर लागू होंगी, न कि बराक घाटी के तीन जिलों तथा छठी अनुसूची के क्षेत्रों डिमा हसाओ, कार्बी आंगलोंग और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) पर। समिति की रिपोर्ट तीन भागों में विभाजित है – 40 सिफारिशें केवल राज्य स्तर पर लागू की जाएंगी, 12 सिफारिशें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से लागू की जाएंगी, तथा 15 सिफारिशें केवल केंद्र के लिए होंगी। शर्मा ने पहले कहा था कि राज्य सरकार और आसू भूमि, संस्कृति और भाषा विज्ञान से संबंधित 40 सिफारिशों के साथ-साथ 12 अन्य सिफारिशों को लागू करने के लिए सहयोग करेंगे, जो राज्य और केंद्र सरकारों के साझा क्षेत्र में हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के खिलाफ व्यापक विरोध के बाद 2019 में समिति का गठन किया गया था और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपने के लिए 2020 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल को रिपोर्ट सौंपी गई थी। असम समझौते पर 1985 में छह साल तक चले हिंसक विदेशी विरोधी आंदोलन के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। इसमें अन्य प्रावधानों के अलावा यह भी कहा गया था कि 25 मार्च 1971 या उसके बाद असम आने वाले सभी विदेशियों के नाम का पता लगाया जाएगा और उन्हें मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा तथा उन्हें निर्वासित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

सीएम ने ब्रह्मपुत्र पर ...

कूटनीतिक चर्चाओं में एक प्रमुख विषय होने की उम्मीद है। चीन ने यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) की निचली पहुंच पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह बांध हिमालय में एक घाटी पर बनाया जा रहा है, जहां नदी अरुणाचल प्रदेश में बहने से पहले यू-टर्न लेती है। बीजिंग ने इस परियोजना का बचाव करते हुए दावा किया है कि इससे निचले इलाकों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा और दशकों के शोध के बाद सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। हालांकि, शर्मा ने संभावित नतीजों की एक भयावह तस्वीर पेश की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बांध से प्रवाह बाधित होता है, तो ब्रह्मपुत्र पूरी तरह से भूटान और अरुणाचल प्रदेश के वर्षा जल पर निर्भर हो जाएगी। अगर इन क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश नहीं होती है, तो नदी पूरी तरह से सूख सकती है। मुख्यमंत्री ने ब्रह्मपुत्र के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर परिणामों को रेखांकित किया, जो लाखों लोगों का भरण-पोषण करता है। शर्मा ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है और हमने पहले ही भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त कर दी हैं। मुझे पता है कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। यारलुंग त्सांगपो पर चीन का बांध निर्माण लंबे समय से भारत-चीन संबंधों में विवाद का विषय रहा है। चूंकि नदी भारत और अंततः बांग्लादेश में बहती है, इसलिए कोई भी व्यवधान कृषि, जैव विविधता और आजीविका को प्रभावित कर सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञ और कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ऐसी परियोजनाओं से जल की कमी और पारिस्थितिकी असंतुलन बढ़ सकता है। असम के लिए, जो पहले से ही भयंकर बाढ़ और कटाव चक्रों से जूझ रहा है, जल प्रवाह में संभावित परिवर्तन एक गंभीर नई चुनौती पेश करता है। मंडराते खतरे के बावजूद, शर्मा ने उम्मीद जताई कि भारत के कूटनीतिक चैनल इस मुद्दे को हल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि चीन के साथ चल रही बातचीत के दौरान इस चिंता को उठाया जाएगा।

बांग्लादेश के बहुसंख्यक...

सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बांग्लादेश में जो स्थिति है, उसके कारण वहां कपड़ा उद्योग ध्वस्त हो गया है। वहां बहुसंख्यक लेकिन हमारे देश में अल्पसंख्यक श्रमिक सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे तमिलनाडु में कपड़ा उद्योगों में जाने के लिए देश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं और इन उद्योगों के मालिक उन्हें सस्ते श्रम के लिए आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उस देश में हिंदू अल्पसंख्यक अब वहां अत्याचारों का सामना करने के बावजूद आने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, संभवतः इसलिए क्योंकि वे बहुत देशभक्त हैं। असम के सीएम ने कहा कि उन्होंने बहुत ही परिपक्व तरीके से व्यवहार किया है और पिछले पांच महीनों में कोई भी बांग्लादेशी हिंदू असम नहीं आया है। हेमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस देश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। सीएम ने दावा किया कि स्थिति बहुत ही चिंताजनक है और केंद्र इसे लेकर बहुत चिंतित है। बांग्लादेश में अशांति के बाद से घुसपैठ में भारी वृद्धि हुई है और पिछले पांच महीनों में रोजाना 20 से 30 लोग अवैध रूप से असम और त्रिपुरा में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम सरकार इन घुसपैठियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है बल्कि उन्हें उनके अपने देश वापस भेज रही है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद आतंकी नेटवर्क के सदस्यों पर कार्रवाई के बारे में शर्मा ने कहा कि हम एनआईए और खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय में लगातार काम कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप असम और अन्य राज्यों में 23 लोगों की गिरफ्तारी और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें आतंकी संगठन की जड़ों पर प्रहार करना है। अन्य एजेंसियों के साथ मजबूत समन्वय के साथ, हमारी पुलिस ने सफलता हासिल की है।

मणिपुर : कर्मचारियों को ...

के तहत जातीय हिंसा के कारण विस्थापित 426 लोगों को 50,000 रुपए तक का कर्ज बिना किसी गारंटी के दिया जा रहा है। इसके साथ ही, राज्य सरकार ने सात स्टार्टअप्स की पहचान की है जो 432 विस्थापित लोगों को रोजगार देंगे। इसके अलावा, करीब 500 युवाओं को एयर इंडिया और इंडिगो में केबिन क्रू के रूप में शामिल होने के लिए दिल्ली में आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सीएम एन बीरेन सिंह ने बताया कि राज्य सरकार लगातार नई पहल कर रही है ताकि कर्मचारियों, उद्यमियों और युवाओं को बेहतर अवसर मिल सकें। इस तरह की योजनाएं न केवल आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगी, बल्कि राज्य में रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगी।

सरकार ने फर्टीलाइजर ...

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि किसानों को 1,350 रुपए प्रति बोरी की दर से डीएपी उर्वरक मिलती रहेगी और इस पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ केंद्र सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि डीएपी के लिए 3,850 करोड़ रुपए तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं। केंद्र सरकार उर्वरक निर्माताओं/ आयातकों के जरिये किसानों को सब्सिडी मूल्य पर 28 तरह के पीएंडके उर्वरक मुहैया कराती है। इन उर्वरकों पर सब्सिडी का निर्धारण एनबीएस योजना के तहत होता है जो एक अप्रैल, 2010 से प्रभावी है।

बोरवेल में गिरी ...

बाहर निकाला गया तब उसके शरीर में कोई हरकत नहीं थी। एनडीआरएफ के जवान महावीर जाट सफेट कपड़े में लपेटकर चेतना को बाहर लेकर आए। इसके तुरंत बाद चेतना को एंबुलेंस से कोटपूतली के बीडीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एनडीआरएफ के जवानों ने बताया कि चेतना की बॉडी मिट्टी के बीच फंसी हुई थी। बोरवेल में घुसने के बाद अंगुली से उसकी बॉडी के आसपास से मिट्टी हटाई और फिर उसे बाहर निकालकर लाए। पत्थर और मिट्टी हटाने में काफी दिक्कतें आईं। बोरवेल के अंदर सांस लेने में परेशानी हो रही थी और जहां बच्ची फंसी थी, वहां से बोरवेल मुड़ गया था। राजस्थान एनडीआरएफ के चीफ योगेश मीणा ने बताया कि बच्ची को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। बाहर लाने के समय उसके शरीर में कोई मूवमेंट नहीं था। इससे पहले आज सुबह करीब 11:30 बजे रेस्क्यू टीम ने बोरवेल के आसपास फिनायल का छिड़काव किया और कपूर जलाया, ताकि किसी अनहोनी के कारण उत्पन्न दुर्गंध से बचा जा सके। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान प्रशासन की प्लानिंग और प्रयासों पर सवाल उठे। चेतना को बचाने की 5 से अधिक कोशिशें नाकाम रहीं। बच्ची पिछले आठ दिनों से कोई मूवमेंट नहीं कर रही थी। चेतना की मौत की खबर से गांव में शोक है।

महाकुंभ में ब्लास्ट ...

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने महाकुंभ में हमले की धमकी दी थी। एक्स पर ट्वीट के जरिए धमकी देने वाले आरोपी आईडी छानबीन की गई तो पता चला कि बायो में लिखा है- मुझे मुस्लिम होने पर गर्व है। कट्टर मुस्लिम। पुलिस उस नंबर और ई-मेल की डिटेल ले रही है, जिससे आईडी बनाई गई है। मामले में लखनऊ के यूपी-112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने लेटर जारी किया। फिलहाल इस मामले को लेकर पुलिस की कई टीमें मिलकर छानबीन कर रही है।

वीर सावरकर के नाम ...

नाम पर एक कॉलेज की आधारशिला रखी जा सकती है। बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने 2021 में कॉलेज के निर्माण को स्वीकृति दी थी। यह कॉलेज नजफगढ़ में बनाया जाएगा। सावरकर के नाम पर बनने वाले कॉलेज को 140 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से प्रधानमंत्री को आधारशिला रखने के लिए निमंत्रण दिया है, हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने अभी तक पुष्टि नहीं की है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इसका इंतजार किया जा रहा है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के सूत्रों का कहना है कि पीएम मोदी दिल्ली में दो विश्वविद्यालय की भी आधारशिला रख सकते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय का पहले ही नॉर्थ और साउथ कैंपस है। प्रस्तावित विश्वविद्यालय पूर्वी और पश्चिम दिल्ली में बनाए जाएंगे। सूरजमल विहार में प्रस्तावित पूर्वी परिसर 373 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से स्थापित किया जाएगा, जबकि द्वारका में पश्चिमी परिसर पर 107 करोड़ रुपए खर्च होने की उम्मीद है। 2021 में, कार्यकारी परिषद ने दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के नाम पर एक कॉलेज का नाम रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी थी। डीयू के कुलपति योगेश सिंह को दो आगामी कॉलेजों के लिए नामों के समूह में से नाम चुनने का अधिकार दिया गया। अन्य नामों में स्वामी विवेकानंद, वल्लभभाई पटेल, अटल बिहारी वाजपेयी और सावित्रीबाई फुले शामिल थे। विश्वविद्यालय ने दो कॉलेजों की स्थापना के लिए नजफगढ़ और फतेहपुर बेरी में दो भूखंड आवंटित किए हैं। विश्वविद्यालय सूत्रों का कहना है कि दो नए विश्वविद्यालय और एक नए कॉलेज के निर्माण से छात्रों को काफी सुविधा मिलेगी। चूंकि ये विश्वविद्यालय पूर्वी और पश्चिम दिल्ली में बनाए जा रहे हैं। इससे पूर्वी और पश्चिम दिल्ली के इलाके में रहने वाले छात्रों को काफी सुविधा मिलेगी। फिलहाल इन इलाकों में रहने वाले छात्रों को उत्तर और दक्षिण दिल्ली स्टडी के लिए जाना पड़ता है।

लुइसियाना में नए ...

घटना स्थल पर इसका उपयोग हुआ है या नहीं। राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस अधीक्षक ऐनी किर्कपैट्रिक ने बताया कि हादसा शहर के सीजर्स सुपरडोम में आयोजित कॉलेज फुटबॉल क्वार्टरफाइनल ऑलस्टेट बाउल के शुरू होने से कुछ घंटे पहले हुई। लोग बुधवार तड़के 3:15 बजे नए साल का जश्न मना रहे थे। आरोपी ने पिकअप ट्रक को तेजी से चलाते हुए बॉर्बन स्ट्रीट पर जश्न मना रहे लोगों की भीड़ पर चढ़ा दिया। मरने वाले और घायल सभी स्थानीय निवासी हैं। इसमें कोई आगंतुक नहीं है। किर्कपैट्रिक ने बताया कि आरोपी ने लोगों की भीड़ पर जानबूझकर तेज गति से ट्रक चलाया। शहर की आपात मामलों के लिए जिम्मेदार एजेंसी नोला (न्यू ऑर्लीन्स, लुइसियाना) रेडी ने बताया कि यह घटना नई साल के पहले दिन की सुबह के शुरुआती घंटों में हुई। एजेंसी ने लोगों से अपील की कि वे घटना स्थल से दूर रहें। घायलों को पांच स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। नोला रेडी ने बताया कि घटना सुबह 3.15 बजे हुई। नए साल का जश्न खत्म होने ही वाला था।

मुस्लिम बस्ती में ...

सुनील कुमार ने आगे कहा कि मंदिर को दोबारा खोले जाने से पता चला कि प्रतिमाएं वहां मौजूद नहीं थीं। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी अब पुनर्स्थापना का काम देख रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मंदिर की मरम्मत कर उसे फिर से नियमित पूजा के लिए तैयार किया जाए। यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ी और किसी भी समूह से कोई आपत्ति या बाधा पैदा करने की कोई रिपोर्ट नहीं है। 1980 के बाद से ही यह बंद था।

कुएं में डूबने ...

गई। मृतकों में सुंदर करमाली, राहुल करमाली, सूरज भुइयां, विनय करमाली और पंकज करमाली हैं। विनय करमाली और पंकज करमाली सगे भाई हैं। सभी की उम्र 25 से 28 वर्ष के बीच की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुंदर का पत्नी रूपा करमाली के साथ किसी बात पर विवाद हुआ। इसके बाद सुंदर गुस्से में बाइक लेकर निकला और सीधे कुएं में गाड़ी समेत कूद गया। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास रहने वाले राहुल, सूरज, विनय और पंकज कुएं में उतरे लेकिन वो भी डूब गए।

आतंकी तहव्वुर राणा ...

मुहिम को तेज करते हुए अमेरिकी कोर्ट के फैसले के बाद भारत ने राणा को सौंपने की प्रक्रिया में तेजी लाई थी। इस मामले में राणा पर डेविड हेडली की मदद का गंभीर आरोप है। तहव्वुर राणा ने हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई में ठिकानों की रेकी में मदद की थी। भारत को 26/11 के हमले में ठिकानों की रेकी का सबूत मिला है। भारत ने अमेरिकी कोर्ट में इसके मजबूत सबूत पेश किए हैं। इनमे राणा के ज्यादा शामिल होने का सबूत मिला है।

सीएम शर्मा ने फरवरी 2025 के एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन के लिए यथार्थवादी अपेक्षाएं रखीं

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि बहुप्रतीक्षित *एडवांटेज असम 2.0-निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025* 2026 और 2027 में ही अपनी पूरी क्षमता का एहसास करना शुरू कर देगा। शर्मा ने नए साल के दिन गुवाहाटी के कोइनाधारा स्टेट गेस्ट हाउस में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि इस साल के शिखर सम्मेलन से मुझे बहुत उम्मीदें नहीं हैं। यह राज्य चुनावों से पहले के साल में होने वाला शिखर सम्मेलन है। निवेशक थोड़े आशंकित हैं, उन्हें आश्चर्य है कि क्या सरकार एक और कार्यकाल हासिल कर पाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि यह सामान्य वर्ष होता तो निवेशक राज्य में अवसरों की तलाश करने के लिए अधिक इच्छुक होते। शर्मा ने कहा कि यह निवेश और बुनियादी ढांचे से जुड़ा सम्मेलन है। हमें बहुत ध्यान मिलेगा, लेकिन मेरा मानना है कि अगर यह चुनावी साल नहीं होता तो हम इस साल से बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। 2026 और 2027 का साल राज्य के लिए निर्णायक होगा। उन्होंने भविष्य के शिखर सम्मेलनों के लिए आशा व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस बार अच्छा प्रदर्शन करेंगे, लेकिन मैं इस साल के शिखर सम्मेलन के बारे में बहुत आशावादी नहीं हूँ। अगले साल, हम इसे अगले स्तर पर ले जा सकते हैं। एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन 24 और 25 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। एक सरकारी बयान में कहा गया है, यह हाल के वर्षों में असम के मजबूत विकास को और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उठाए गए परिवर्तनकारी कदमों में से एक है। राज्य में पहले ही 39, 000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है, और यह शिखर सम्मेलन असम को सबसे अधिक लाभदायक और आकर्षक निवेश स्थलों में से एक के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है। दिसंबर 2024 में, मंत्री बिमल बोरा ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की, तथा परिचालन रसद, आतिथ्य आवश्यकताओं और साझेदारी पर चर्चा की। *एडवांटेज असम 2.0-निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025*-वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन-काहानापारा के वेटनरी फील्ड में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन सरकार द्वारा सबसे बड़ी निवेश प्रोत्साहन और सुविधा पहल को दर्शाता है, जो *राज्य के भू-रणनीतिक लाभों और एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में इसकी क्षमता को प्रदर्शित करता है*, जैसा कि सरकार की वेबसाइट पर उल्लेख किया गया है।

असम सरकार ने एसबीआई और यूनियन बैंक के साथ किया समझौता

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने राज्य सरकार के स्थायी और नियमित कर्मचारियों के लिए शून्य प्रीमियम बीमा कवरेज प्रदान करने हेतु स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह निर्णय उत्तर लखीमपुर में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। सरकार के इस कदम से राज्य के चार लाख से अधिक कर्मचारियों को बीमा लाभ मिलेगा। इसके तहत, वित्त विभाग ने सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के साथ चर्चा कर कर्मचारियों के लिए सर्वोत्तम विकल्पों की पहचान की। इसके अलावा, इन बैंकों के माध्यम से इच्छुक कर्मचारियों को रियायती दरों पर स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। संबंधित नियम और शर्तें बैंक तय करेंगे। कर्मचारी अपने मौजूदा बैंक खाते की नजदीकी शाखा या किसी अन्य सूचीबद्ध बैंक में आवेदन जमा कर सकते हैं, जहां उनका वेतन खाता संचालित हो रहा है। यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका खाता वेतन खाते के रूप में पंजीकृत है। समझौता ज्ञापन तत्काल प्रभाव से लागू होगा और सुचारु कार्यान्वयन के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाएगी। प्रत्येक जिला मुख्यालय का कोषाधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेगा। वह बैंकों के साथ समन्वय, वेतन लाभों के कार्यान्वयन और दावा निपटान में सहायता करेगा। साथ ही, प्रत्येक सूचीबद्ध बैंक भी अपना नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा, जिसकी जानकारी एसओपी में शामिल की जाएगी। मामलों की स्थिति और निपटान पर त्रैमासिक रिपोर्ट वित्त विभाग को प्रस्तुत की जाएगी ताकि समय पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके।

असम राइफल्स ने मणिपुर में हथियार और विस्फोटक का जखीरा जब्त किया

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने मणिपुर के चंदेल जिले में हथियारों और विस्फोटक का बड़ा जखीरा जब्त किया। जब्त की गई सामग्री में अमेरिकी निर्मित एम 16 राइफल, स्थानीय लाथोड गन, एम 16 राइफल मैगजीन, आईईडी, मोटोरोला संचार सेट, 5.56मि.मी. गोला-बारूद, पोंपी, लाथोड बम, एक एके-56 राइफल और एक टाइप 81 चीनी असॉल्ट राइफल सहित तीन मैगजीन शामिल हैं। पकड़े गए व्यक्तियों और जब्त हथियारों को आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

सीएम ने चिड़ियाघर के आधुनिकीकरण परियोजना का किया शिलान्यास

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान को आधुनिक स्वरूप देने के लिए 362.04 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना के तहत जानवरों और आगंतुकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1957 में स्थापित असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान उत्तर-पूर्व क्षेत्र का एकमात्र जैव विविधता संरक्षण केंद्र है। उन्होंने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने इसे आधुनिक बनाने का संकल्प लिया और इसके लिए 362.04 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार डिब्रूगढ़ और सिलचर में दो नए चिड़ियाघरों की स्थापना करेगी। इन दोनों चिड़ियाघरों को खुले चिड़ियाघर मॉडल पर बनाया जाएगा, जिनके लिए क्रमशः 259 करोड़ रुपए और 214 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, चाबुआ में वन्यजीव स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना का भी निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिकार की घटनाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। फिर भी, हाथियों और बाघों से जुड़े शिकार मामलों को रोकने के लिए असम पुलिस की विशेष टास्क फोर्स को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार अब तक 74, 115 बीघा वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर चुकी है, जिससे वन्यजीवों की आबादी में वृद्धि और शिकार रोकने में मदद मिली है। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने *असम में हाथी जनगणना रिपोर्ट* जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में हाथियों की संख्या 5828 है, जो राज्य के वन्यजीव संरक्षण के सकारात्मक प्रयासों को दर्शाती है। इस अवसर पर पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल, गुवाहाटी की सांसद बिजुली कलिता मेधी, जीएमसी के मेयर मृगेन सरनिया, विशेष मुख्य सचिव (वन) एमके यादव और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शांति स्थल के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण परियोजना का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के शिलपुखरी स्थित भारत रत्न गोपीनाथ बरदलै और उनकी पत्नी सुरबाला बरदलै के समाधि स्थल *शांति स्थल* के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण परियोजना का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना गोपीनाथ बरदलै के महान योगदान को चिरस्मरणीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस स्थल का हर साल उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर उनके अनुयायियों द्वारा श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। करीब 1.26 करोड़ रुपए की लागत से इस स्मारक को और अधिक भव्य और गौरवपूर्ण बनाने के उद्देश्य से इसका जीर्णोद्धार किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को नए वर्ष के पहले दिन जनता को समर्पित करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया।

राज्यपाल ने की हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने नए साल के पहले दिन उजानबाजार स्थित हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। उनके साथ प्रथम महिला कुमुद देवी भी उपस्थित थीं। राज्यपाल ने समाज के सभी वर्गों की भलाई और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि नया साल सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लाए।

राज्यकर्मियों के लिए मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात

गुवाहाटी (हिंस)। नववर्ष के पहले दिन असम सरकार ने लाखों राज्यकर्मचारियों के लिए खुशखबरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने *स्वागत सतीर्थ* पोर्टल लांच किया, जो तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को पारस्परिक तबादले की सुविधा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहाग बिहू से पहले तबादले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार ने यह कदम पारदर्शी और स्वच्छ तबादले सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। राज्य कर्मचारियों के लिए एक नई मुफ्त बीमा योजना भी लाई गई है, जिसमें कर्मचारी की मृत्यु होने पर बीमा राशि परिवार को दी जाएगी। पोर्टल पर आवेदन के लिए शर्तें हैं : एक ही विभाग, श्रेणी और आरक्षण वर्ग में होना अनिवार्य है। एनओसी और अनुमोदन पत्र अनिवार्य हैं। विभागीय या आपराधिक जांच से मुक्त कर्मचारी ही आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने इसे राज्यकर्मचारियों के जीवन को सरल बनाने और उनकी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। इस मौके पर राज्य सरकार और एसबीआई और यूनियन बैंक के साथ अलग-अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मेघालय के पूर्व राज्यपाल ने की असम के राज्यपाल से मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। मेघालय के पूर्व राज्यपाल रंजीत शेखर मुशाहारी ने आज राजभवन में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने नए साल 2025 के अवसर पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान मूशाहारी ने राज्यपाल को उनके द्वारा लिखित पुस्तक *रिडिस्कवरिंग हिस्ट्री ऑफ असम* भेंट की। असम के राज्यपाल ने इस उपहार के लिए मूशाहारी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पुस्तक असम के इतिहास को गहराई से समझने में सभी के लिए उपयोगी होगी।

पूर्व मंत्री स्वर्गीय डॉ. अर्द्धेंदु कुमार दे के एकमात्र पुत्र अनिरुद्ध दे पंचतत्व में विलीन

होजाई (निसं)। असम सरकार के पूर्व मंत्री स्वर्गीय डॉ. अर्द्धेंदु कुमार दे के एकमात्र पुत्र अनिरुद्ध दे उर्फ नोना का मंगलवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। वे 58 वर्ष के थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही होजाई में उनके शुभचिंतकों के बीच शो की लहर छा गई। उल्लेखयोग्य है, नोना कई दिनों से अस्वस्थ थे और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा था, किंतु इलाज के दौरान ही उनका निधन हो गया। होजाई के लोग ने उन्हें प्रेम से नोना कह कर बुलाते थे। उनके निधन पर विभिन्न संगठनों सहित विशिष्ट जनों ने शोक प्रकट किया है। होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, भाषीक अल्पसंख्याक विकास बोर्ड के अध्यक्ष शिलादित्य देव, असम नागरिक मंच के सचिव विजय चक्रवर्ती, होजाई पौर सभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास, अधिवक्ता समीर सरकार, होजाई प्रेस क्लब के अध्यक्ष निरंजन सरावगी, सचिव किसलय देव गोस्वामी, राजेश केजरीवाल, अपना मंच के निखिल कुमार मुंदड़ा, भगवान सेन, नारायण सेन सहीत कई लोगों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है व परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु प्रार्थना की। गौरतलब है, उनका अंतिम संस्कार होजाई के शांति वन में आज संपन्न हुआ। अनिरुद्ध अपने पीछे धर्मपत्नी एक पुत्र व पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

खानापाड़ा में मुख्यमंत्री ने मिनी आईएसबीटी का उद्घाटन किया

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के खानापाड़ा में मिनी इंटर स्टेट बस टर्मिनस (आईएसबीटी) का उद्घाटन किया। इस टर्मिनस का उद्देश्य राजधानी शहर से आने-जाने वाले यात्रियों के सफर को सुगम बनाना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करेगी। इसके साथ ही, 56 नई ई-बसें भी जोड़ी गई हैं ताकि प्रदूषण रहित सार्वजनिक परिवहन का सपना साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कदम राज्य में यातायात व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

ब्रह्मपुत्र में आपात स्थिति में फंसे व्यक्ति को एनडीआरएफ ने बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत पलाशबाड़ी घाट के पास ब्रह्मपुत्र नद में तैरने के लिए संघर्ष कर रहे एक नागरिक को प्रथम बटालियन एनडीआरएफ की टीम ने आज बचाया। टीम बाढ़ जल बचाव (एफडब्ल्यूआर) प्रदर्शन का अभ्यास कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने आपात स्थिति एक व्यक्ति को नदी में तैरते हुए देखा। बिना किसी हिचकिचाहट के, टीम कमांडर ने तुरंत नागरिक को बचाया और तत्काल अस्पताल से पहले उपचार प्रदान किया। इसके बाद व्यक्ति को आगे की चिकित्सा के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं (ईएमएस) के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मिर्जा में भेज दिया गया। एनडीआरएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया है कि यह घटना प्रशिक्षण अभ्यासों के दौरान भी आपात स्थितियों का जवाब देने के लिए एनडीआरएफ की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। उनकी त्वरित कार्रवाई ने न केवल एक जीवन बचाया बल्कि जल-आधारित आपात स्थितियों में सतर्कता और तैयारी के महत्व को भी रेखांकित किया। एनडीआरएफ के विशेष प्रशिक्षण और विशेषज्ञता ने इस सफल बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे आपदाओं और आपात स्थितियों से निपटने में उनकी तत्परता प्रदर्शित हुई। प्रथम बटालियन एनडीआरएफ के कमांडेंट एचपीएस कंडारी ने ऐसी स्थितियों में समुदाय की सुरक्षा के लिए उनकी व्यावसायिकता और समर्पण के लिए टीम की सराहना की।

मरीजों को फल-फूल भेंट कर मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने मनाया नववर्ष

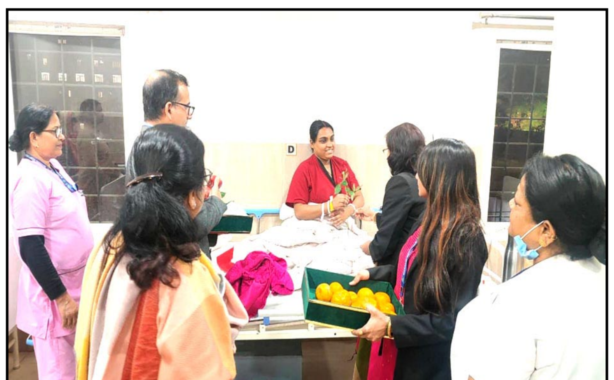

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल्स ने अनोखे अंदाज में नववर्ष का आगमन किया। अस्पताल में चिकित्साधिन रोगियों के बीच फूल, फल के अलावा *गेट वेल सुन* का कार्ड भेंट कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। अस्पताल की ओर से की गई इस पहल ने वहां भर्ती रोगियों तथा उनके परिजनों का दिल जीत लिया। इस संदर्भ में अस्पताल के सचिव किशोर साबू ने बताया कि नव वर्ष के एक दिन पहले 31 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती सभी रोगियों से भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामना देते हुए उनके जल्द आरोग्य होने की कामना की गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास रोगियों को उनकी तकलीफों को कम करने तथा उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य करती है। इस मौके पर संयुक्त सचिव बेला नाउका, कार्यकारी समिति सदस्य संजय संथोलिया, अस्पताल के अधीक्षक रोहित उपाध्याय, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) कमला सिंह दास, मैट्रन दिपादिता कलिता, जनसंपर्क अधिकारी अनुपम लश्कर, हाउसकीपिंग प्रबंधक श्री शहीदुल, उप प्रबंधक (गेस्ट रिलेशनशिप) गार्गी भट्टाचार्य, एग्जीक्यूटिव ऑपरेशन निहारी सिंह आदि मौजूद थे।

बिजनी उपमंडलीय पुस्तकालय में ई-लाइब्रेरी सुविधा का उद्घाटन

डिजिटल सशक्तिकरण की ओर एक कदम

विकसित भारत समाचार

बिजनी। एक परिवर्तनकारी नई ई-लाइब्रेरी सुविधा आधिकारिक तौर पर लांच की गई। आज बिजनी सब-डिविजनल लाइब्रेरी में उद्घाटन किया गया, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र के लिए शैक्षिक पहुंच और संसाधनों को बढ़ाना। उद्घाटन जतिन के मार्गदर्शन में बिजनी के विधायक अजय कुमार रे ने समारोह की शोभा बढ़ाई बोरा, एसीएस, चिरांग जिला आयुक्त, और कृति चाचरा, आईएएस, बिजनी सब-डिविजनल अधिकारी (सिविल). ई-लाइब्रेरी पहल बिजनी सब-डिविजनल द्वारा एक मील का पत्थर परियोजना है। प्रशासन, छात्रों के लिए सीखने के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए डिजाइन किया गया है। व्यापक समुदाय सुविधा सक्षम करने के लिए वाई-फाई कनेक्टिविटी से सुसज्जित है। भारत की राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी जैसे मूल्यवान शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच (एनडीएलआई), एससीईआरटी वेबसाइटें, और विभिन्न ऑनलाइन रिपॉजिटरी जो समृद्ध मल्टीमीडिया प्रदान करती हैं। वीडियो और एनिमेशन सहित सीखने की सामग्री। इसके अतिरिक्त, ई-लाइब्रेरी उच्च शिक्षा सामग्री, एनपीटीईएल प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों तक पहुंचने में छात्रों का समर्थन करता है। और शोध पत्र, उन्हें अपने ज्ञान और शैक्षणिक क्षितिज को व्यापक बनाने में मदद करते हैं। यह उद्घाटन क्षेत्र में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। शैक्षिक विकास के लिए बिजनी उपखंड प्रशासन प्रतिबद्ध है सभी के लिए सुलभ और समावेशी सीखने के अवसर प्रदान करना। इस कार्यक्रम में बिजनी नगर पालिका सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। बोर्ड के अध्यक्ष गुणेश्वर गोयारी, पूर्व एमसीएलए अतीन हाजोंग और एडीसी चिरांग फिरदौस आलम शेख, और बिजनी से सहायक आयुक्त। स्कूली छात्र एवं नियमित पुस्तकालय संरक्षक भी अपने उत्साह और उत्सुकता का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित थे। नए डिजिटल शिक्षण संसाधनों के साथ जुड़ने के लिए।

लोखरा रोड पर एसटीएफ की छापेमारी में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। आज शाम लोखरा रोड, लालगणेश क्षेत्र में दिसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसटीएफ असम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में एक कुख्यात ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान 28 वायल संदिग्ध हेरोइन, कुल वजन: 37.15 ग्राम तथा 2 मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जिन्टू मंडल (32) के रूप में हुई है। गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

एकात्मता का दर्शन है- महाकुंभ

भारत की संस्कृति का आधार एकात्मता का स्वर है। भारतीय समाज में जो ऊंच-नीच की बीमारी आई, वह विशेष कालखंड की देन है। सत्य तो यह है कि भारत की संस्कृति में ऊंच-नीच के लिए कोई स्थान नहीं। यह दुनिया की इकलौती संस्कृति है जो कहती है कि हम सबमें ईश्वर का अंश है। यानी जो पिंड तुम्हारा है, वही पिंड मेरा है। भारत का दर्शन न तो जाति के आधार पर और न ही रंग-रूप एवं वेष-भूषा के आधार पर लोगों में विभेद करता है। भारत का दर्शन तो सबको अपना मार्ग चुनने की स्वतंत्रता देता है। यह बात हिन्दुत्व की आलोचना करनेवालों को समझनी चाहिए। हिन्दुत्व और भारतीयता के मूल विचार को समझना है तो उसका एक अवसर महाकुंभ के रूप में आ रहा है। कुंभ ऐसा मेला है, जहाँ भारत के कोने-कोने से लोग आते हैं। सभी जाति-बिरादरी, प्रांत, भाषा और संप्रदाय के लोग कुंभ में शामिल होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा है कि "महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परम्पराएँ, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा"। निःसंदेह, एकात्मता के जो दर्शन महाकुंभ में होते हैं, वह कहीं और नहीं हो सकते। ईशा फांउडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं कि "भारतीय संस्कृति इस धरती पर सबसे जटिल और रंगबिरंगी संस्कृति है। अगर आप गौर से देखें, तो पाएंगे कि हर पचास से सौ किलोमीटर पर लोगों के जीने का तरीका ही बदल जाता है। एक स्थान ऐसा है जहां इस जटिल संस्कृति को आप वाकई बहुत करीब से देख सकते हैं, वह है-कुंभ मेला"। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य कहते हैं कि ऐसा कहा जाता है कि "हमारे यहाँ विविधता में एकता है। वास्तविकता यह है कि भारतीय संस्कृति का एक ही तत्व है, जो विविध रूप में अभिव्यक्त हुआ है। यह एक तत्व अध्यात्म है"। उनकी यह बात सर्वथा उचित है। क्योंकि विविधता को बाह्य आधार पर एक रखना मुश्किल है जबकि आंतरिक तत्व के कारण विविधता में सहज ही एकात्मता रहती है। बहरहाल, वर्तमान परिस्थिति में हिन्दू समाज को महाकुंभ के इस दर्शन से सीख लेकर समाज जीवन में अपना व्यवहार करना चाहिए। हिन्दू समाज को बाँटने के लिए जो ताकतें जोर लगा रही हैं, उन्हें उत्तर देने का संकल्प महाकुंभ में लेना चाहिए। जिस प्रकार हम महाकुंभ में हिन्दू होकर शामिल होते हैं, वही भाव जीवन में रहना चाहिए। हमारी जातीय, भाषायी, प्रांतीय या अन्य पहचान कुछ भी हो सकती है लेकिन हम सब एक हैं। भारतीय संस्कृति के अभिन्न हिस्से हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में एक आग्रह यह भी किया है कि "इस बार जब भी लोग महाकुंभ में शामिल हों तो वह वहाँ से समाज में एकता बनाए रखने का संकल्प लेकर लौटें"। हिन्दू समाज और उसकी संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से 8वीं शताब्दी में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने कुंभ के महत्व को स्थापित किया और उसके वास्तविक स्वरूप को उभारा था। जब भारत और हिन्दू धर्म पर आक्रांताओं के आक्रमण हो रहे थे, तब कुंभ मेले हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा का माध्यम बने। समय की आवश्यकता है कि हम एक बार फिर कुंभ मेले से एकता का संदेश लेकर समाज के बीच में जाएं।

भारत का दर्शन न तो जाति के आधार पर और न ही रंग-रूप एवं वेष-भूषा के आधार पर लोगों में विभेद करता है। भारत का दर्शन तो सबको अपना मार्ग चुनने की स्वतंत्रता देता है। यह बात हिन्दुत्व की आलोचना करनेवालों को समझनी चाहिए। हिन्दुत्व और भारतीयता के मूल विचार को समझना है तो उसका एक अवसर महाकुंभ के रूप में आ रहा है। कुंभ ऐसा मेला है, जहाँ भारत के कोने-कोने से लोग आते हैं। सभी जाति-बिरादरी, प्रांत, भाषा और संप्रदाय के लोग कुंभ में शामिल होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा है कि "महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परम्पराएँ, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा"। नि:संदेह, एकात्मता के जो दर्शन महाकुंभ में होते हैं, वह कहीं और नहीं हो सकते। ईशा फांउडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं कि "भारतीय संस्कृति इस धरती पर सबसे जटिल और रंगबिरंगी संस्कृति है।

भारत के प्रति चीन का आचरण हमेशा ही संदिग्ध रहा है

ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण की चीन ने चली चाल

प्रमोद भार्गव

चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेष और फिर बांग्लादेष में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाषित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा है।

चीन ने भारत के साथ मधुर संबंध बनाने के बीच एक नई विस्तारवादी चाल चल दी। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेष और फिर बांग्लादेष में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाषित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा है। भारत के प्रति चीन का आचरण हमेषा ही संदिग्ध रहा है। चीन इस नाते अपने हितों और विकास के लिए जो भी निर्णय लेता है, वे सीमाई देशों के लिए संकट का सबब बन जाते हैं। ऐसी शंकाएं इसलिए पैदा होती हैं, क्योंकि चीन भारत के सीमावर्ती क्षेत्र में कभी गलवान में सैनिक घुसपैठ कराता है, तो कभी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर गांव बसा देता है। उसके ये कृत्य उसकी साम्राज्यवादी मंषा उजागर करने वाले हैं। अब ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ा बांध बनाने की मंषा ने भारत और बांग्लादेष की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि बांध में भरे पानी से चीन प्रतिवर्श 300 अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा। सिंचाई के लिए भी यह जल उपयोग में लाया जाएगा। इसके पहले से भी चीन ब्रह्मपुत्र के मूल उद्गम स्थल यारलुंग जांग्बो नदी पर 60 हजार मेगावाट क्षमता का जल विद्युत संयंत्र लगा रहा है।इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह विशालकाय बांध के निर्माण में लगा है। आशंका है कि चीन इस बांध में भरे जाने वाले जल का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध जल युद्ध के रूप में कर सकता है। इसकी काट के लिए भारत ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग क्षेत्र में 11,200 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना पर काम शुरू कर दिया है।1.10 लाख करोड़ रुपए की इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (पीएफआर) भी बन गई है।एक अन्य 9,380 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना अरुणाचल

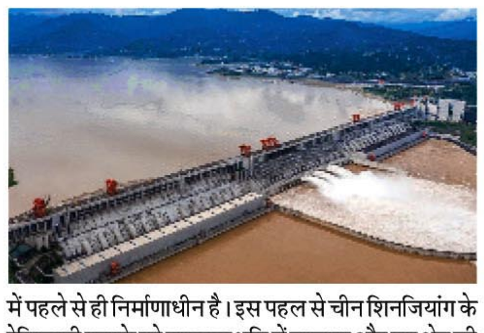

में पहले से ही निर्माणाधीन है। इस पहल से चीन शिनजियांग के रेगिस्तानी इलाके को उपजाऊ भूमि में बदलना और इस क्षेत्र की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराना चाहता है। दक्षिणी तिब्बत की यारलुंग जांग्बो नदी के जल प्रवाह को रेगिस्तान की ओर मोड़ा जाएगा। इसे मोड़ने के लिए चीन के अभियन्ता ऐसी तकनीकों के परीक्षण में जुटे हैं, जिनका प्रयोग कर ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह को 1000 किमी लम्बी सुरंग बनाकर मोड़ दिया जाए। इस योजना के जरिए चीन की मंशा अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे तिब्बत से शिनजियांग में पानी ले जाने की है। भारत सरकार के साथ दुनिया भर के पर्यावरण प्रेमी चिन्तित हुए थे, क्योंकि सुरंग खुदाई से हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।लेकिन चीन ने अपने रुख में बदलाव नहीं किया।हालांकि ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा कई बाँध बनाए जाने को लेकर भारत बीजिंग को पहले ही अपनी चिन्ताओं से अवगत करा चुका है। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बाँध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था।चीन यदि बांधों से ज्यादा पानी छोड़ देता है तो यह पूर्वोत्तर भारत की कृषि व्यवस्था तहस नहस कर सकता है। चीन के बांध भारत की पर्यावर्णीय व्यवस्था पर भी विपरीत असर डाल सकते हैं। एशिया की सबसे लम्बी इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएँ निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बाँधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापारिक, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बाँधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल भी हो सकता है ? दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 शहरों में से 110 शहर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं।उद्योगों और कृषि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता।चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएँ प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, वे सब अटक प्रभावित हो सकती हैं ? ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37,827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा ।चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहाँ भारत को मध्यम व लघु बाँध बनाना आसान है। ये सभी बाँध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

दृष्टि कोण

आर्सेनिक की अधिकता से जीवन पर संकट

देश के भूजल में आर्सेनिक की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। आज देश के 25 राज्यों के लगभग 230 जिले भूजल में बढ़ती आर्सेनिक समस्या से पीड़ित हैं। दुनिया भर में देखें तो लगभग 50 करोड़ लोग भूजल में आर्सेनिक की समस्या से जूझ रहे हैं। इससे पिगमेंटेशन, हाइपरकेराटोसिस, अल्सरेशन, त्वचा कैंसर, किडनी कैंसर, फेफड़ों का कैंसर के अलावा अब हृदय, लीवर, त्वचा के रंग में परिवर्तन, हथेलियों और तलवों पर सख्त धब्बे, पैरों की रक्तवाहिकाओं और मूत्राशय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने आर्सेनिक युक्त दूषित पानी पीने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और प्रजनन संबंधी बीमारियों की आशंका भी जताई है। देश में कोलकाता का नाम आर्सेनिक से प्रदूषित शहरों में शीर्ष पर है। इस समय, देश के 27 राज्यों के 469 जिले फ्लोराइड से संदूषित हैं। भारत में भूजल में आर्सेनिक की मात्रा स्वीकार्य सीमा से काफी अधिक है, जिससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, असम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत में आर्सेनिक से प्रभावित लोगों की संख्या 5 करोड़ से अधिक है। आज असलियत में गंगा-मेघना-ब्रह्मपुत्र के मैदान का उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश सहित देश के पूर्वोत्तर के राज्य का भूजल आर्सेनिक से दूषित है। बांग्लादेश, भूजल में सर्वाधिक आर्सेनिक प्रदूषित देशों की सूची में शीर्ष पर है। दरअसल, भूजल में आर्सेनिक की मौजूदगी मुख्यतः 100 मीटर गहराई तक के जल में बनी रहती है। इससे गहरा जल आर्सेनिक से मुक्त रहता है लेकिन सबसे ज्यादा भूजल का उपयोग 100 मीटर तक के जल का होता है, इसलिए इसमें ही आर्सेनिक का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। आर्सेनिक से दूध भी अछूता नहीं है। चूंकि आर्सेनिक युक्त भूजल का उपयोग सिंचाई कार्यों में भी होता है, इसलिए अकार्बनिक तत्व पौधों के शरीर में पहुंचकर जड़ों, तनों और पत्तियों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। और अंत में अनाज और सब्जियों में जाकर जमा हो जाते हैं। दरअसल, पानी में घुलनशील अकार्बनिक आर्सेनिक बहुत ही ज़हरीला होता है। इसके सेवन से जठरांत्र रोग सम्बन्धी लक्षण से मृत्यु तक हो जाती है। गौरतलब है कि चट्टानों और खनिजों के अपक्षय के दौरान आर्सेनिक मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह मानवजनित स्रोतों से मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है। क्योंकि आर्सेनिक उच्च तापमान प्रक्रियाओं जैसे कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, वनस्पतियों को जलाने और ज्वालामुखी विस्फोट द्वारा वायुमंडल में उत्सर्जित होता है। पानी में विशेष रूप से भूजल में, जहां सल्फाइड खनिज जमा होते हैं और ज्वालामुखीय चट्टानों से निकलने वाली तलछट जमा होती है, आर्सेनिक की सांद्रता काफी बढ़ जाती है। दुनियाभर के जलस्तर में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा के चलते कैंसर के रोगियों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। दुनिया में 2011 और 2019 के दौरान हर साल औसतन आर्सेनिक से हो रहे कैंसर के मामलों में 11.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं आर्सेनिक युक्त पानी पीने से किडनी के कैंसर के रोगियों की तादाद में 6 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसे सातवां सबसे आम कैंसर माना गया है। अमेरिका के टेक्सास स्थित ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के वैज्ञानिकों के अनुसार आर्सेनिक युक्त पानी से किडनी के कैंसर का खतरा दो गुना हो जाता है। शोध में खुलासा हुआ है कि जिन क्षेत्रों में बसी आबादी जलाशयों, कुएं या फिर नदियों पर निर्भर हैं, वहां कैंसर का जोखिम 22 फीसदी अधिक पाया गया है। इससे किडनी या फेफड़े के कैंसर की संभावना बलवती हो जाती है। समूची दुनिया में 40 मिलियन से अधिक लोग पीने के पानी के लिए टैंकर या हैंडपंप के पानी पर निर्भर हैं। इससे आर्सेनिक के संपर्क में आने की प्रबल संभावना रहती है। वास्तव में, आर्सेनिक प्राकृतिक रासायनिक तत्व है। इसे ज़हरीली धातु माना जाता है। पानी से आर्सेनिक हटाने की दिशा में इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में सोखना, आसवन और आयन एक्सचेंज में रिवर्स आस्मोसिस यानी आरओ जल निष्पादन प्रणाली सबसे बेहतर है। इससे आर्सेनिक जैसे घुले प्रदूषक हटा दिये जाते हैं। हानिकारक आर्सेनिक से पानी को मुक्त करके पानी को पीने योग्य बनाया जा सकता है। यह प्रणाली पानी को अर्धपारगम्य झिल्ली के माध्यम से साफ करने हेतु दबाव का काम करती है। आर्सेनिक से दूषित भूजल का जैविक उपचार आर्सेनिक को बायोमास में अवशोषित करके या बायोजेनिक हाइड्रोक्साइड या सल्फ़ाइड के साथ सह अवक्षेपण करके किया जा सकता है।

कुछ अलग

भारत की कूटनीतिक जीत

भारत ने कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज की है। पाकिस्तान लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने का सपना देख रहा था और इसके लिए एड़ी-चोटी का जोर भी लगा रहा था। लेकिन भारत के जोरदार विरोध का ऐसा असर हुआ कि ब्रिक्स की सदस्यता तो दूर पाकिस्तान को सहयोगी देशों की सूची में भी जगह नहीं मिल पाई है। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा झटका है। ब्रिक्स के 13 नए सहयोगी देशों की घोषणा की गई है, जिसमें सबसे बड़ा लाभ तुर्की को हुआ है। इन दिनों जम्मू-कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने से परहेज कर रहे तुर्की को सहयोगी देशों में जगह मिल गई है। माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के रुख में आए बदलाव की वजह से भारत ने ब्रिक्स में उसकी दावेदारी का विरोध नहीं किया। वहीं, अब पाकिस्तान की अपने ही देश में थू-थू हो रही है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान को रूस और चीन का भी सहयोग नहीं मिल सका है। रूस ने घोषणा की है कि ब्रिक्स में जिन 13 देशों को शामिल किया गया है, उनमें अल्जीरिया, बेलारूस, बोलिविया, क्यूबा, इंडोनेशिया, कजाखस्तान, मलेशिया, थाइलैंड, तुर्की, यूगांडा, नाइजीरिया, उज्बेकिस्तान और वियतनाम हैं। ये सहयोगी देश आगे चलकर ब्रिक्स के सदस्य बनेंगे। रूस से इस समाचार के आते ही पाकिस्तान को सांप सूंघ गया है जो चीन के बल पर इस संगठन में शामिल होने के लिए पुरजोर ताकत लगाए हुए था। यही नहीं पाकिस्तान रूस को भी खुश करने में लगा हुआ था ताकि वह भारत पर दबाव डालकर ब्रिक्स की सदस्यता का रास्ता साफ कराए। वहीं भारत अपने पाकिस्तान विरोध पर पूरी ताकत से अड़ा हुआ था। पाकिस्तान की विदेश मामलों की जानकार और चर्चित पत्रकार मरियाना बाबर ने एक्स पर लिखा है, "यह पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की पूरी तरह से विफलता है। वह भी तब जब इशाक डार विदेश मंत्री हैं जिनकी विदेशी मामलों में सबसे कम रुचि है। यहां तक कि नाइजीरिया ने पाकिस्तान से बेहतर किया और उसे ब्रिक्स का सहयोगी देश बना दिया गया है। पाकिस्तान को रूस, चीन और भारत ने ब्रिक्स से बाहर रखा"। याद रखें कि इशाक डार नवाज शरीफ के समधी और मरियम नवाज के ससुर हैं। इशाक डार पहले वित्त मंत्री हुआ करते थे लेकिन अब उन्हें शहबाज शरीफ के विरोध के बाद मजबूरन विदेश मंत्रालय से संतोष करना पड़ रहा है। ये सभी 13 नए देश 1 जनवरी 2025 से ब्रिक्स के सहयोगी देश होंगे। रूस इस समय ब्रिक्स का अध्यक्ष है। स्मरण रखें कि भारत रूस, ब्राजील, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य देश है। ब्रिक्स का नियम है कि इस संगठन में नए सदस्य को शामिल करने को लेकर आम सहमति जरूरी है, ऐसे में भारत के सख्त रुख ने पाकिस्तान के लिए दरवाजे बंद कर दिए। वह भी तब जब चीन और उसके दबाव में रूस पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे। कई विश्लेषकों का कहना है कि अगर पाकिस्तान ब्रिक्स में शामिल होता तो इससे उसे काफी आर्थिक और राजनयिक लाभ मिलता। लेकिन भारत ने तय किया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद की राह नहीं छोड़ेगा, भारत वैश्विक मंच पर उसे अलग-थलग करने के लिए यथासंभव प्रयास करेगा। वैश्विक राजनीति में आज भारत की जो स्थिति है, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि पाकिस्तान के लिए आगे की राह भी कठिन है।

देश दुनीया से

विरोध-प्रतिरोध के बीच पनपता जीवंत लोकतंत्र

राजनीतिक आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से 2024 का साल भारत के लिए घटनाओं और उपलब्धियों से भरा रहा। आर्थिक मोर्चे पर भारत का उदय नए पावर हाउस के रूप में हो रहा है, पर साल की सबसे बड़ी गतिविधि राजनीति से जुड़ी थी। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को पूरा हुआ, पर जो परिणाम आए, उनसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को धक्का लगा। हालांकि, नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, पर अब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत न होने से वह अपने सहयोगी दलों का सहारा ले रही है। बीजेपी को सबसे बड़ा धक्का उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां के कुल 80 क्षेत्रों में से उसे केवल 33 में विजय मिली। समाजवादी पार्टी ने राज्य में 37 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। यह अप्रत्याशित था। राहुल गांधी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से इस बार का चुनाव लाभकारी रहा। वर्ष 2019 में उन्हें अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार उन्होंने अमेठी से वापसी की। नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस साल सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड दोनों सीटों पर जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड की सीट को छोड़ दिया, जहां से प्रियंका गांधी जीतकर आईं। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने एकबारगी यह सोचने को मज़बूर किया कि क्या बीजेपी की विजय के चक्के ने अब उल्टी दिशा में घूमना शुरू कर दिया है? पर ऐसा भी नहीं है। इस वर्ष आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभाओं के चुनाव भी हुए। जम्मू-कश्मीर में एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हुआ था। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव था। इस बार मतदाताओं ने वोटिंग के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार वापसी की। वहीं हरियाणा, जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र और खासतौर से महाराष्ट्र के परिणामों ने बीजेपी को भारी राहत प्रदान की। प्रधानमंत्री बनने के नरेंद्र मोदी ने गृह, रक्षा, वित्त और विदेश विभाग अपने उन्हीं सहयोगियों को सौंपे जो पिछले कार्यकाल में उनके मंत्री थे। इससे उन्होंने यह ज़ाहिर कर दिया कि जैसा चल रहा था, वैसा ही चलेगा। बहरहाल केंद्र में गठबंधन की मजबूरियों के कारण इस सरकार को अब अगले चार साल तक अपने राजनीतिक-कार्यक्रमों को लागू करने में वैसी स्वतंत्रता नहीं होगी, जैसी पिछले दस वर्षों में रही। साल के अंत में सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' कार्यक्रम के साथ संविधान-संशोधन का विधेयक पेश किया है। उसे फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। अब उसे पास कराने के लिए जिस विशेष दो-तिहाई बहुमत की जरूरत भविष्य में होगी, उसके लिए सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत भी होगी। साल की शुरुआत 22 जनवरी को अयोध्या के राममंदिर की स्थापना के साथ हो गई। लगता था कि अयोध्या-विवाद का समाधान हो जाने के बाद बीजेपी के पास एक मसला कम हो गया है, पर ऐसा है नहीं। वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि, राजस्थान के अजमेर शरीफ़ और अब संभल के विवादों ने राष्ट्रीय-परिदृश्य को घेर लिया है। इन विवादों के संदर्भ में साल के आखिरी महीने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने एक और बहस को जन्म दे दिया है, जो संभवतः अगले साल के राष्ट्रीय-परिदृश्य को प्रभावित करती रहेगी। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में 'हिंदू सेवा महोत्सव' के उद्घाटन के दौरान कहा, 'मंदिर-मस्जिद के रोज़ नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। अब वर्चस्व का ज़माना ख़त्म हो गया है। यह सब पुरानी लड़ाइयां हैं, इन्हें भूलकर हमें सबको संभालना चाहिए।' भागवत के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्माचार्यों की प्रतिक्रियाओं ने उत्तर भारत के सर्द माहौल में गर्मी पैदा कर दी है। इस गर्मी के साथ साल के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर पैदा हुई तल्खी भी साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। अंबेडकर की विरासत को लेकर राजनीति में तूफान आया हुआ है। अमित शाह की टिप्पणी के बाद संसद के परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई तक हुई। अगले साल की पहली तिमाही में ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यकीनन सभी दल इस मुद्दे को उठाना जारी रखेंगे। इस तूफान के लक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रकट होने लगे थे, जब कांग्रेस ने जाति और संविधान की रक्षा को अपना मुद्दा बनाया। कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी '400 पार' इसलिए चाहती है, ताकि वह संविधान को खत्म कर सके। संविधान खत्म होगा, तो आरक्षण भी खत्म हो जाएगा। माना जाता है कि आरक्षण खत्म होने के भय ने दलित वोटर को 'इंडिया' गठबंधन की शरण में जाने को प्रेरित किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल से बाहर आने के बाद उनके इस्तीफे ने भी राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई है। केजरीवाल के अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस साल जेल जाना पड़ा, पर विधानसभा चुनाव में उनकी जीत ने इस कष्ट को काफी कम कर दिया। चुनाव का वर्ष होने के कारण इस साल पहले फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया और फिर नई लोकसभा के गठन के बाद जुलाई में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्ण बजट पेश किया। आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में यह साल भारत के लिए उत्साहवर्धक रहा।

आप का नजरीया

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश-दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे-बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे-प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले-डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे-बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत- बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दर्शाता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके।

मुख्यमंत्री नीतीश और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने जारी किया संपत्तियों का ब्योरा, नीरज सिंह सबसे अमीर मंत्री

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने नए साल पर बुधवार को संपत्तियों का ब्योरा साझा किया है। नीतीश के पास सिर्फ 21 हजार 52 रुपए नकद हैं। मुख्यमंत्री के पास एक इको स्पोर्ट्स गाड़ी है, जिसकी कीमत 11, 32, 753 रुपए है। उनके पास एक लाख 71 हजार रुपए का स्वर्ण आभूषण है। नीतीश कुमार के पास कुल मिलाकर 16 लाख 97 हजार 741 रुपए की चल संपत्ति मौजूद है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बहुत ज्यादा अमीर उनके कई मंत्री हैं। सबसे अमीर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह हैं। उनकी कुल संपत्ति 13.98 करोड़ रुपए है। इसमें उनकी पत्नी की संपत्ति भी शामिल हैं। सबसे गरीब खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता हैं। उनके पास 65.18 लाख रुपए की संपत्ति है। उन पर 53.17 लाख रुपए का सरकारी बकाया है। मुख्यमंत्री के पास दिल्ली के संसद विहार कॉ-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग में 1000 वर्ग फीट का फ्लैट है, जिसकी कीमत 01 करोड़ 48 लाख रुपए बताई गई है। नीतीश कुमार के पास गाय और बछड़े की संख्या में कमी हुई है। साल 2023 की तुलना में एक गाय और एक बछड़ा कम हुआ है। नीतीश के पास 12 गाय और 9 बछड़े की जानकारी सार्वजनिक की है। इनकी कीमत 01 लाख 45 हजार रुपए बताई गई है। नीतीश के पास कंप्यूटर, एसी, एयर कूलर, सिलाई मशीन, वाशिंग मशीन, गोदरेज का ओवेन, ओटीजी और एक्सरसाइज साइकिल है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जमीन के मामले में करोड़पति हैं। अचल संपत्ति गैर कृषि योग्य जमीन 4 करोड़ 87 लाख रुपए की है जबकि एग्रीकल्चर लैंड जमीन की कीमत 03 करोड़ 41 लाख बताई है। सम्राट चौधरी राइफल भी रखते हैं। इसकी कीमत 4 लाख रुपए है। सम्राट चौधरी के पास 400 ग्राम सोना है, जिसकी कीमत 28 लाख रुपए है। उनकी पत्नी के पास 500 ग्राम सोना, जिसकी कीमत 35 लाख और चांदी 2 किलोग्राम है। इसकी कीमत 8 लाख रुपए है। बेटी के पास 300 ग्राम सोना, जिसकी कीमत 9 लाख रुपए और सवा किलो चांदी, जिसकी कीमत 6 लाख रुपए है। सम्राट चौधरी ने शेयर मार्केट में भी पैसे लगाए हैं। 14 लाख रुपए से अधिक की राशि रिटायरमेंट फंड आदि में लगा रखी है। जीवन बीमा 10 लाख 32 हजार रुपए की कराई जबकि 9.60 लाख रुपए पीपीएफ में इन्वेस्ट किया है। विजय कुमार सिन्हा से अमीर उनकी पत्नी उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की कुल संपत्ति 7.93 करोड़ की है। इनकी पत्नी सुशीला देवी इनसे ढाई गुणा अमीर हैं। इनके पास राइफल और रिवाल्वर है। पुणे, बाढ़, मोकामा, लखीसराय, पटना के एग्जीबिशन रोड, कदमकुआं, पटेल नगर, न्यू पुनाईचक, कुम्हरार, रानीपुर जमीन और मकान हैं। विजय कुमार सिन्हा के पास शिव इंटरप्राइजेज का मालिकाना हक है। उन्होंने 10 लाख रुपए शेयर मार्केट में इन्वेस्ट किया है। उनकी पत्नी ने भी शेयर मार्केट में 35.67 लाख रुपए निवेश किया है। विजय सिन्हा ने तीन बैंकों में 3.50 लाख रुपए जबकि पत्नी दो बैंक में 22.13 लाख रुपए डिपॉजिट किए हैं। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी की कुल संपत्ति 2.79 करोड़ है। अचल संपत्ति 1.97 करोड़ और चल संपत्ति 82.34 लाख है। नकदी के मामले उनसे अधिक नकदी उनकी पत्नी के पास है। सहनी के पास 10, 064 तो उनकी पत्नी के पास 10, 7, 978 रुपए हैं। मदन सहनी को गाड़ियों का शौक है। उनके पास 7 लाख की इंडिगो, दस लाख की स्कॉर्पियो और 24 लाख रुपए की एमजी हेक्टर गाड़ी है। परिवहन मंत्री शीला मंडल ने अपनी कुल संपत्ति 2.62 करोड़ बताई है। उनकी अचल संपत्ति 2.20 करोड़ है। भौआड़ा मधुबनी में 1.25 करोड़ की जमीन है जबकि पटना के मैनपुरा में 45 लाख रुपए की 900 वर्ग फुट जमीन है। परिवहन मंत्री के पास खुद की कोई गाड़ी नहीं है। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी और उनकी पत्नी पर साढ़े तीन करोड़ से अधिक का कर्ज है। मंत्री से अधिक पत्नी के पास संपत्ति है। मंत्री ने विभिन्न बैंकिंग संस्थानों में 73 लाख जमा किए हुए हैं तो पत्नी के नाम पर 87 लाख जमा है। खुद के पास 200 ग्राम सोना व स्टोन तो पत्नी के पास 800 ग्राम स्टोन है। आईटी मंत्री संतोष कुमार सुमन के खुद के पास स्कॉर्पियो तो पत्नी के नाम पर इनोवा कार है। इनके पास 250 ग्राम सोना, 500 ग्राम चांदी तो पत्नी के पास 475 ग्राम सोना और एक किलो चांदी है। मंत्री के पास 5.25 एकड़ जमीन है। महकार, गोदावरी, खिजरसराय और पटना के कंकड़बाग में आवासीय मकान है। मंत्री के पास 95 लाख की चल संपत्ति और एक करोड़ 73 लाख की अचल संपत्ति है।

ईको-स्कॉर्पियो की भिड़ंत में पिता-बेटे और पुत्रवधु की मौत

भरतपुर (हिंस)। जिले के डीग में हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा पलवल सोहना मार्ग पर धतीर पुलिस चौकी के पास हुआ। सहेडा निवासी परिवार की गाड़ी की टक्कर स्कॉर्पियो गाड़ी से हुई। मृतक डीग जिले के कामां क्षेत्र के गांव सहेडा के रहने वाले थे। पलवल शहर थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि सहेडा निवासी डिब्बन पुत्र ढुल्लन जाटव, उनके पुत्र कुंवर सिंह, पुत्रवधू लता, पोता और भांजा लोकेश अपनी ईको गाड़ी में सवार होकर हरियाणा के सोहना कस्बा जा रहे थे। दुर्घटना में 65 वर्षीय डिब्बन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके 38 वर्षीय पुत्र कुंवर सिंह और 35 वर्षीय पुत्रवधू लता गंभीर रूप से घायल हो गए। कुंवर सिंह की मौत गुरुग्राम अस्पताल में उपचार के दौरान हुई, जबकि लता की मौत दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में हुई। प्रिंस पुत्र कुंवर सिंह और भांजा लोकेश जाटव का उपचार पलवल के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है और मृतकों के परिजनों की शिकायत पर स्कॉर्पियो ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

हाई पावर कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होगा संयुक्त किसान मोर्चा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू व खनौरी में चल रहे किसान आंदोलन पर अब किसान संगठनों ने अलग-अलग फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को हुई बैठक के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि किसान आंदोलन को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की तीन जनवरी को होने वाली बैठक में मोर्चा शामिल नहीं होगा। एसकेएम ने शंभू और खनौरी मोर्चे में कोई भूमिका न होने के चलते यह फैसला लिया गया है। जबकि पहले दावा किया गया था कि संयुक्त किसान मोर्चे के नेता बैठक में शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से यह कमेटी पूर्व न्यायाधीश नवाब सिंह की अगुआई में गठित की गई है। कमेटी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर में अंतरिम रिपोर्ट सौंपी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि आंदोलन करने वाले किसान बातचीत के लिए नहीं आ रहे हैं। किसानों से उनकी सुविधा के अनुसार तारीख और समय भी मांगा गया था, लेकिन उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हरिंदर सिंह लखोवाल ने बुधवार को जानकारी दी कि जो पत्र आया है, उसमें रास्तों को खोलने के बारे में किसानों को मनाने जैसे मुद्दे हैं। यह बात भी गलत है, कि रास्ते किसानों ने रोक रखे हैं, रास्ते तो सरकार ने बंद कर रखे हैं। जबकि किसानों की मांगों को लेकर कोई जिक्र ही नहीं है। ऐसे में हमने मीटिंग में नहीं जाने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि करीब चार दिन पहले यह बात सामने आई थी कि हाई पावर कमेटी ने पंचकूला के रेस्ट हाउस में तीन जनवरी को मीटिंग बुलाई है। जैसे ही यह जानकारी आई थी, उसके बाद संयुक्त किसान मोर्चे के नेताओं ने आपसी सहमति के साथ बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है।

नए साल में पीएम सूर्य योजना का क्रियान्वयन होगा तेज

चंडीगढ़ (हिंस)। नए वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास विजन को गति देने के लिए केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने एक्शन प्लान तैयार किया है। वर्ष 2025 में गैर-जीवाश्म ऊर्जा का उत्पादन दोगुना करने की योजना है। इसके साथ ही पन विद्युत परियोजनाओं को बढ़ाने पर फोकस रहेगा। यही नहीं, सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ, घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने के मिशन को तेजी से बढ़ाया जाएगा। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2025 में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए मैदानी क्षेत्रों में घरों की छतों के साथ बंजर भूमि पर प्लांट लगाने की संभावनाएं तलाशी जाएं। वहीं 2030 तक भारत की वार्षिक नवीकरणीय क्षमता वृद्धि, चीन सहित किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेजी बढ़ाने का एक्शन प्लान तैयार किया गया है। राज्य सरकार 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली प्राप्त करने, ऊर्जा भंडारण से संबंधित उपाय बढ़ाने और ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2024 में गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन 205 गीगावाट पर पहुंच गया है। नववर्ष में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोल, डीजल) की जगह हरित ईंधन के उपयोग की प्रतिबद्धता के तहत घरेलू सौर पीवी और पवन टरबाइन विनिर्माण को बढ़ाया जा रहा है। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर सौर ऊर्जा लगाने और एक करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। अब तक 1.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और अब तक 6.85 लाख से अधिक घरों में ये उपकरण लगाए जा चुके हैं। वर्ष-2025 में पीएम-सूर्य योजना को गति देने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जा चुका है। मैदानी क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में सरकारी भवन व आवास पर सोलर प्लांट लगाने को गति दी जाएगी, वहीं राजस्थान में बंजर भूमि का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जाएगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आगामी मार्च 2025 तक सभी सरकारी कार्यालयों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। स्मार्ट मीटर को बढ़ावा देने के लिए राज्यों ने प्रीपेड उपभोक्ताओं को पांच प्रतिशत की छूट प्रदान की जा सकती है। इसके साथ ही प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए डिस्कॉम की रैंकिंग में एक संयुक्त रैंकिंग पद्धति विकसित की गई है। जनवरी 2025 में इसे प्रकाशित किया जाएगा।

छह जनवरी को गुरु ग्रोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व शंभू बार्डर पर मनाएंगे किसान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी व शंभू बार्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने ऐलान किया है कि आगामी छह जनवरी को शंभू में गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। यह फैसला बुधवार को किसान नेता सरवन सिंह पंधेर की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। पंधेर ने इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजाब भर से किसानों व संगतों को शंभू बार्डर पर पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में पंजाब सरकार से मांग की गई कि विधानसभा सत्र के दौरान केंद्र सरकार के जारी कृषि मार्केटिंग पॉलिसी ड्रॉफ्ट को रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया जाए। पंधेर ने कहा कि बहुत जल्द बैठक बुलाकर दिल्ली कूच का ऐलान किया जाएगा। जब तक केंद्र सरकार कोई ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

नववर्ष पर शहर के मंदिरों में हुए धार्मिक अनुष्ठान, मंदिरों में भीड़, आकर्षक श्रृंगार किया

जोधपुर (हिंस)। नए साल के आगमन को लेकर शहर में आज उल्लास सा माहौल रहा। नववर्ष पर बुधवार को शहर में एक दूसरे को दिनभर बधाई देने का दौर चला। मंदिरों में दर्शन कर खास पूजा अर्चना की गई। अधिकांश लोगों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से नए साल की बधाई दी। कई वाहन चालकों ने अपने वाहनों को रंग-बिरंगें फूलों और गुब्बारों से सजाकर नए साल की खुशियों का इजहार किया। नए साल पर बधाई देने के लिए सोशल मीडिया हावी रहा। इससे पहले लोगों ने नए साल की पूर्व संध्या पर रात को घरों में केक काटे और व्यंजन बनाकर स्वागत किया। होटलों व रेस्टोरेंटों में हुए नव वर्ष के कार्यक्रमों में भी जोरदार उल्लास देखा गया। रात 12 बजते ही लोगों ने पटाखें छोडकर गर्मजोशी के साथ नए साल का स्वागत किया। वहीं सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं को दौर चला जोकि आज दिनभर चलता रहा। नववर्ष की सुबह होते ही लोगों के मोबाइल और बेसिक फोनों की घंटियां बजने लग गई। लोगों ने अपने रिश्तेदारों, परिचितों और मित्रों को नए साल की मुबारकबाद दी। शहर में आज चारों ओर हैप्पी न्यू ईयर और नया साल मुबारक हो की स्वरलहरियां सुनाई दे रही थी। नए साल के जश्न के फोटो भी सोशल मीडिया पर अपलोड़ करते रहे। यह सिलसिला दिन भर जारी रहा। इधर शहर में हर वर्ष की भांति इस बार भी कई टैक्सी व सिटी बस चालकों ने अपने वाहनों को सजाया। फूल मालाओं से सजाकर यात्रियों की आवभगत की। कई लोग नए साल पर मन्दिरों में दर्शन करने गए। नए साल पर शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। रातानाडा स्थित प्राचीन गणेश मंदिर में आज बुधवार होने के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां सड़क तक लंबी लाइनें लगी रही। मंदिर में गजानन्द का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर पुजारी महेश अबोटी ने बताया कि इस अवसर पर गणेश का अभिषेक, पूजन, ऋतु पुष्पों से श्रृंगार कर पौशाक पहनाई गई। वहीं भीतरी शहर जूनी धान मंडी स्थित गंगश्यामजी मंदिर में नए साल के उपलक्ष्य में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया। नियमित की जाने वाली पूजा के अलावा ठाकुरजी का पुष्प श्रृंगार का पौशाक पहनाई गई। रातानाडा स्थित श्री कृष्ण मंदिर में नव वर्ष पर युवाओं ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया। मंदिर पुजारी हरिभाई गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में आने वाले सभी युवाओं को नशे की जगह योग करने का संकल्प दिलाया गया। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष इंद्रसिंह सांखला ने बताया कि युवा पीढ़ी दिनोंदिन नशे की ओर आकर्षित हो रही है।

राजस्थान में 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस प्रमोट

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने नए साल से पहले 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस को प्रमोशन दिया है। कार्मिक विभाग ने इसके लिए अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। प्रमोशन के बाद इन अफसरों को फिलहाल मौजूदा पदों पर ही रखा गया है। एक जनवरी से ये आदेश लागू हो गया है। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता और पीएचईडी के प्रमुख सचिव भास्कर ए सावंत को एसीएस के पद पर प्रमोशन दिया गया है। दोनों अफसर अबोव सुपर टाइम से मुख्य सचिव पे स्केल में प्रमोट हुए हैं। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल से सलेक्शन स्केल में पदोन्नत हुए हैं, सिहाग अब विशिष्ट सचिव बन गए हैं। बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी और उनकी बहन रिया डाबी को एक साथ प्रमोशन मिला है। टीना डाबी 2016 बैच की और रिया डाबी 2021 बैच की आईएएस है। टीना डाबी को सीनियर स्केल से जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल में और रिया को जूनियर स्केल से सीनियर स्केल में प्रमोशन मिला है। सिद्धार्थ सिहाग और उनकी पत्नी रुक्मिणी रियाड़ को भी साथ साथ प्रमोशन मिला है। दोनों 2012 बैच के आईएएस हैं। जसमीत सिंह संधू और उनकी पत्नी अर्तिका शुक्ला का भी प्रमोशन हुआ। अबोव सुपर टाइम से मुख्य सचिव की पे स्केल में प्रवीण गुप्ता और भास्कर सावंत प्रमोट किए गए है। सुपर टाइम से अबोव सुपरटाइम स्केल में मंजू राजपाल और देवाशीष पृष्टि प्रमोट किए गए है। सलेक्शन से सुपर टाइम स्केल में कुमारपाल गौतम और विश्राम मीणा प्रमोट हुए है। सात आईएएस जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल से सलेक्शन स्केल में प्रमोट किए गए हैं। इनमें रुक्मिणी रियाज, ओमप्रकाश कसेरा, सिद्धार्थ सिहाग, हिमांशु गुप्ता, नमित मेहता, टीकमचंद बोहरा, हरजीलाल अटल शामिल है। जबकि, नौ आईएएस सीनियर स्केल से जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल में प्रमोट किए गए हैं। इनमें टीना डाबी, अतहर आमिर उल शफी खान (प्रोफार्मा प्रमोशन), जसमीत सिंह संधू, डॉ. अमित यादव, प्रताप सिंह, डॉ. मंजू, डॉ. रविंद्र गोस्वामी, रोहिताश्व सिंह तोमर, अर्तिका शुक्ला शामिल है। सरकार ने छह आईएएस को जूनियर स्केल से सीनियर स्केल में प्रमोशन दिया है। इनमें गौरव बुडानिया, रिया डाबी, रवि कुमार, आव्हाद निवृति सोमनाथ, जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, सालुखे गौरव रविंद्र शामिल है। तीन आईपीएस को आईजी से एडीजी के पद पर प्रमोट किया गया है। उमेश दत्ता और नवज्योति गोगोई को सेंट्रल डेपुटेशन पर होने के कारण प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। लता मनोज कुमार आईजी से एडीजी बनी हैं। छह आईपीएस आईजी बने है। इनमें डॉ. रवि, ममता राहुल (प्रोफार्मा पदोन्नति), कैलाशचंद विश्नोई, बारहट राहुल मनहर्दन (प्रोफार्मा पदोन्नति), सत्येंद्र कुमार(प्रोफार्मा पदोन्नति), रणधीर सिंह शामिल है। 10 आईपीएस डीआईजी बने है। इनमें आनंद शर्मा, गौरव यादव, भुवन भूषण यादव, प्रहलाद सिंह कृष्णियां, शरद चौधरी, राजन दुष्यंत, शंकर दत्त शर्मा, राम मूर्ति जोशी, अरशद अली, आलोक श्रीवास्तव शामिल है। तेरह आईपीएस जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल से सलेक्शन स्केल में प्रमोट किए गए हैं। इनमें राशि डोगरा डूडी, ममता गुप्ता, पूजा अवाना, आदर्श सिद्धू, डॉ. किरन कंग सिद्धू, जय यादव, अभिजीत सिंह, विनीत कुमार बंसल, श्याम सिंह, नारायण टोगस शामिल है। पांच आईपीएस हर्ष वर्धन अगरवाला, डॉ. अमृता दुहन, राजेश कुमार मीणा, रिचा तोमर, दिगंत आनंद सीनियर स्केल से जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल में प्रमोट हुए है। आठ आईपीएस निश्चय प्रसाद एम, प्रशांत किरण, हेमंत कलाल, कंबले शरण गोपीनाथ, रोशन मीणा, बी आदित्य, अभिषेक अंडासु, मनीष कुमार को जूनियर से सीनियर स्केल में प्रमोशन दिया गया है। सीएम की प्रिंसिपल ओएसडी टीजे कविथा को मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) से अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) की पे स्केल में पदोन्नति दी है। सात आईएफएस सुगनाराम जाट, सोनल जोरिहार, आशुतोष ओझा, संग्राम सिंह कटियार, मोनाली सेन, उपकार बोरोना को वन संरक्षक बनाया गया है। बारह आईएफएस कविता सिंह, अजय चित्तौड़ा, एस.शरथ बाबू, अशोक कुमार, हरिकिशन सारस्वत, देवेन्द्र प्रताप जगावत, संजय प्रकाश भादू, रमेश कुमार मालपाणी, राजेन्द्र कुमार हुड्डा, महेन्द्र कुमार शर्मा, सुदर्शन शर्मा और मुकेश सैनी जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्केल से सलेक्शन स्केल में प्रमोट किए गए हैं।

नवरत्न आइकॉनिक फिल्मकार और नवरत्न हिंदी फिल्में जिफ में शामिल

जयपुर (हिंस)। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव (जिफ) का सत्रहवां संस्करण 17 से 21 जनवरी तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष टॉप नवरत्न (नौ) हिंदी फिल्में और भारत के नौ महान फिल्मकारों के नाम जिफ 2025 में शामिल किए गए हैं, जिसमें भारतीय सिनेमा की अब तक की सर्वश्रेष्ठ नौ में से छह क्लासिक फीचर फिक्शन फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। जिफ के प्रवक्ता राजेंद्र बोड़ा ने बताया की इन महान आइकॉनिक 9 फिल्मों और 9 महान आइकॉनिक फिल्मकारों का चयन तीन महीनों के शोध और एक समिति की राय पर आधारित है, जिसका अंतिम चयन जिफ के संस्थापक हनु रोज ने किया है। फेस्टिवल का उद्देश्य भारतीय सिनेमा के अनमोल योगदान को सम्मानित करना और इसकी समृद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना।

राज्य में शीतलहर और घने कोहरे के कारण पड़ रही कड़ाके की ठंड

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में शीतलहर और घने कोहरे के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर और पूर्वी राजस्थान के कई शहरों में मंगलवार को दिन का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया। इनमें गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर और सीकर सबसे सर्द रहे। घने कोहरे और सर्द हवाओं के चलते दिन में भी ठंडा माहौल रहा। हालांकि, दो जनवरी से सर्दी में थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण ठंडी हवाओं का प्रभाव कम होगा। इससे दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। आसमान साफ रहेगा और धूप खिलने की उम्मीद है। उत्तर-पूर्वी राजस्थान में मंगलवार को सबसे सर्द दिन दर्ज किया गया। हनुमानगढ़ में अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस, अलवर में 12.4 डिग्री, सीकर में 12.5 डिग्री और श्रीगंगानगर में 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी प्रकार धौलपुर में 13.9 डिग्री और जयपुर व फतेहपुर में अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर का दिन हिल स्टेशन माउंट आबू से भी अधिक ठंडा रहा। माउंट आबू में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस था जबकि जयपुर में यह 14 डिग्री से भी कम रहा। जयपुर के अधिकांश हिस्सों में शाम चार बजे तक सूरज नहीं निकला, जिससे ठिठुरन बनी रही। यह जयपुर का इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर जैसे इलाकों में दिन में धूप खिलने से तापमान में राहत मिली। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस, जोधपुर में 26.8 डिग्री, जैसलमेर में 24 डिग्री और फलौदी में 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

बालिकाओं के हित में कानूनी अधिकार और सुरक्षा पर मंथन

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता शिविर

मीरजापुर (हिंस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आदर्श इंटर कॉलेज, विसुंदरपुर के प्रांगण में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव डीएलएसए विनय आर्या ने की। शिविर का शुभारंभ अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर बालिकाओं के कानूनी अधिकार, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, स्वावलंबन, सेनेटरी पैड, सर्वाइकल कैंसर, और यातायात नियमों के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विनय कुमार त्रिपाठी ने छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी और 18 वर्ष से कम आयु में वाहन न चलाने की चेतावनी दी। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक, स्टाफ और डीएलएसए से जुड़े वरिष्ठ सदस्य भी उपस्थित रहे। जागरूकता शिविर ने छात्र-छात्राओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विनय आर्या ने बालिकाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों और मिशन शक्ति के तहत संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

पांच हजार असहाय वृद्धों व महिलाओं के बीच कंबल का वितरण, गरीबों की सेवा का संकल्प

नवादा (हिंस)। नूतन वर्ष के शुभागमन के उपलक्ष्य में बुधवार को सामाजसेवा एवं दरिद्रनारायण की सहायता के पुनीत भावों से भरे मॉडर्न शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह, सचिव डॉ. शैलेश कुमार, संजय कुमार सिंह, मॉडर्न इंगलिश स्कूल, बिहारशरीफ के सचिव रंजीत कुमार, डॉ. संध्या, अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अपने मॉडर्न परिवार के साथ मिलकर गरीब और बेसहारा बुजुर्गों और असहाय महिलाओं के बीच पांच हजार कंबल वितरित किया। हांड़ कंपा देने वाली सर्दी का भीषण प्रकोप अपने चरम पर है। इस कारण ठिठुरते गरीब बुजुर्गों और बेसहारा महिलाओं को अपनी जान बचाना मुश्किल हो गया है। ऐसी परिस्थिति में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण ठंड से उनकी सुरक्षा करने की पवित्र भावना से प्रेरित लक्ष्य एडुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट और मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, कुंतीनगर में अध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह, सचिव डॉ. शैलेश कुमार ने शहर के कुंतीनगर में स्थित मॉडर्न इंगलिश स्कूल के प्रांगण में पांच हजार से अधिक बुजुर्गों को कंबल प्रदान कर ठंड से उनकी जीवन-रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर नवादा शहर के आसपास के गाँवों घंघौली, गोंदापुर, खरीदीबीघा, पिपरपाती, झिटकौरा, झुनाठी, चुटकीयाबीघा, शिवचरण बीघा, सोहजाना, नेया, भगवानपुर, जैसीनबीघा, कलक्टरबीघा, बुधौल, कुंतीनगर और सिसवां आदि गांव के निर्धन परिवार के बुजुर्गों को कंबल वितरित करके ठंड से बचने का आधार प्रदान किया गया। कंबल वितरण के दौरान मॉडर्न शैक्षणिक समूह के निदेशक डॉ. अनुज सिंह ने कंबल वितरण समारोह में उपस्थित शहर के गणमान्य लोगों, स्थानीय ग्रामीणों, लाभार्थियों एवं सभी मीडियाकर्मियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केवल अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों के साथ त्योहार मनाना एक तरीका हो सकता है, लेकिन हमें अपनी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी समझनी चाहिए। सक्षम लोगों द्वारा किसी भी त्योहार के अवसर पर यदि जरुरतमंदो की सहायता की जाए तो आपके त्योहार मनाने की खुशी कई गुणा बढ़ जाती है। मॉडर्न ग्रुप के सचिव डॉ. शैलेश कुमार ने कहा कि यदि हमारे एक छोटे प्रयास से किसी गरीब और जरूरतमंद के होठों पर खुशी की मुस्कान आती है, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ा उत्सव है। नए वर्ष के शुभारंभ का यह एक बेहतरीन तरीका है। त्रिवेणी एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट नवादा के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि धन का सबसे बड़ा सदुपयोग सुपात्र को दान देना है। इस भीषण ठंड में यदि हमारे प्रयास से किसी गरीब की जीवनरक्षा होती है, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमें यथाशक्ति जरूरतमंद की सहायता अवश्य करनी चाहिए।

एअर इंडिया आने वाले वर्षों में अपनी वैश्विक पहुंच और बढ़ाएगी : कैम्पबेल विल्सन

नई दिल्ली

एअर इंडिया की वैश्विक उपस्थिति आने वाले वर्षों में और बढ़ने वाली है। विमानन कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने बुधवार को कंपनी के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा करते हुए यह बात कही।

एअर इंडिया प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने अपने नए साल की शुभकामनाओं में एयरलाइन की बेड़े और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिससे भारतीय विमानन के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निजीकरण के बाद से कंपनी ने काफी प्रगति की है और आने वाले वर्षों में इसकी वैश्विक पहुंच और बढ़ेगी।

विल्सन ने कहा कि घरेलू और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की सेवा देने वाले एकल-गलियारे वाले बेड़े की आंतरिक मरम्मत का काम जारी है। यह 2025 के मध्य तक पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में एयर इंडिया की वैश्विक कवरेज में और वृद्धि होगी, क्योंकि हाल ही में हमारे ऑर्डरबुक में 100 विमान जोड़े गए हैं, जो 2023 में 470 विमानों के लिए की गई प्रतिबद्धता को और बढ़ाएगा। विल्सन ने कहा कि इन नए विमानों को बेंगलुरु में एक बिल्कुल नई 12-बे रखरखाव सुविधा और प्रशिक्षण स्कूल, अमरावती में एक नया 34-विमान उड़ान स्कूल और गुरुग्राम में उपर्युक्त प्रशिक्षण अकादमी द्वारा समर्थन दिया जाएगा, जो न केवल हमारी एयरलाइन बल्कि भारत के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विल्सन ने कहा कि जनवरी 2025 एअर इंडिया की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एयरलाइन टाटा समूह में अपनी वापसी की तीसरी वर्षगांठ मना रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

विमान ईंधन 1,401.37 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नए साल 2025 की शुरुआत कई सारे बदलाव के साथ हो गई है। विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 1,401.37 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की है। इस कटौती के बाद हवाई सफर सस्ता हो सकता है। नई दरें बुधवार से लागू हो गईं । इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,401.37 रुपये घटकर 90,455.47 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसका भाव 93,059.79 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 84,511.93 रुपये प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 93,670.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एटीएफ की कीमत में 1,318.12 रुपये प्रति किलोलीटर और नवंबर में 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई थी। विमान ईंधन की कीमतों में यह गिरावट हवाई यात्रियों के लिए संभावित लाभ में तब्दील हो सकती है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नया साल 2025 अपने साथ कई सारे बदलाव को लेकर आया है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी और जेब पर पड़ेगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की गाड़ियां महंगी हो गई हैं। वहीं, 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की कटौती की है। राजधानी दिल्ली में इसका दाम 14.50 रुपये घटकर 1804 रुपये हो गया है, जो पहले 1818.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसकी कीमत 16 रुपये घटकर 1911 रुपये हो गई है, जो पहले 1927 में मिल रहा था। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये घटकर 1756 रुपये का हो गया है, जबकि चेन्नई में यह सिलेंडर 1966 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

देश का तंबाकू निर्यात पांच वर्ष में बढ़कर 12,005 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। देश का तंबाकू निर्यात पिछले पांच वर्ष में 87 फीसदी बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 12,005.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 में यह 6,408.15 करोड़ रुपये रहा था। इससे किसानों की आय भी दोगुनी से ज्यादा हो गई है। इस दौरान निर्यात मात्रा 218.84 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 315.51 मिलियन किलोग्राम हो गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार तंबाकू बोर्ड ने उद्योग की स्थिरता और विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। तंबाकू बोर्ड अपना स्थापना दिवस मना रहा है।आंकड़ों के अनुसार फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू से किसानों की आय वित्त वर्ष 2019-20 और वित्त वर्ष 2023-24 के बीच दोगुनी से ज्यादा हो गई है। वित्त वर्ष 2019-20 में यह 124 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 279.54 रुपये हो गई है। भारत दुनिया में चीन के बाद तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। इसके साथ ही भारत दुनिया में चीन, ब्राजील और जिम्बाब्वे के बाद एफसीवी तम्बाकू का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत ब्राजील के बाद अनिर्मित तम्बाकू (मात्रा के संदर्भ में) का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी छुट्टी के माहौल में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर यूरोपियन बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एशियाई बाजारों में भी छुट्टी के माहौल के बीच मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

साल के आखिरी करबारी दिन अमेरिकी बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। पिछले सत्र के दौरान एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,878.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ इसी तरह नैस्डेक ने 181.54 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,305.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,540.54 अंक के स्तर पर कारोबार करता होने जा रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,173.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,380.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। ईयर एंडिंग की छुट्टी होने के कारण डीएएक्स इंडेक्स में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। एशियाई बाजारों में छुट्टी के माहौल के बीच सिर्फ दो बाजारों में कारोबार हो रहा है इनमें एक बाजार का सूचकांक लाल निशान में, तो दूसरे बाजार का सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहा है। एशिया के शेष सभी साथ बाजारों में छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,702.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,079.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

पांच प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली। देश की पांच प्रमुख कंपनियां मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, टोयोटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयार कर रही हैं। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 क्रांतिकारी साबित होने वाला है। यह नई पीढ़ी की गाड़ियां अत्याधुनिक तकनीक, लंबी रेंज और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारी जाएंगी। हुंडई अपनी मशहूर एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करेगी। यह 5-सीटर ईवी एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज देने का वादा करती है। इसका इंटीरियर और एक्सटीरियर मौजूदा क्रेटा जैसा होगा लेकिन ईवी-स्पेसिफिक टच के साथ इसे और आकर्षक बनाया जाएगा। जापानी कंपनी टोयोटा अपनी अर्बन क्रूजर ईवी लॉन्च करेगी, जो मारुति की ई-विटारा के डेरिवेट के रूप में पेश की जाएगी। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध होगी। मारुति सुजुकी भी अपनी बहुप्रतीक्षित मारुति सुजुकी ई वितारा पेश करने जा रही है, जिसमें दो बैटरी पैक और 500 किलोमीटर तक की रेंज होगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा, जो एसयूवी मार्केट में पहले से ही अग्रणी है, अब अपनी एक्सयूवी3एक्सओ ईवी के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश करेगी। यह एसयूवी 400 किलोमीटर की रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ आएगी। टाटा मोटर्स भी अपनी हैरियर का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करेगी। टाटा हेरियर ईवी सिंगल और डुअल मोटर कॉन्फिगरेशन में आएगी, जिसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी। इन नई इलेक्ट्रिक एसयूवी की लॉन्चिंग से न केवल ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प मिलेंगे।

काले और नीले रंग की कारों के ग्राहकों की संख्या बढी

नई दिल्ली

भारत में काले और नीले रंग की कारों के खरीददारों की संख्या बढती जा रही है। इससे पता चलता है कि इन रंगों की कारों की लोकप्रियता अब बढ़ी है, और इन रंगों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

वर्ष 2021 में काले रंग की कारों का खरीदी प्रतिशत 14.8 प्रतिशत था, जो अब 2024 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, नीले रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में नीले रंग की कारों का हिस्सा 8.8 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया है। हालांकि गहरे रंगों की कारों की लोकप्रियता बढ़ी है, सफेद रंग की कारें अब भी भारत में सबसे अधिक पसंद की जाती हैं। 2021 में सफेद कारों की खरीददारी 43.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 39 प्रतिशत हो गई थी। लेकिन 2024 में सफेद रंग की कारों की मांग फिर से बढ़ी है, और अब ये बाजार में 39.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं।

ह्युंडै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि काले रंग की कारों की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है। 2021 में एचएमआईएल के घरेलू बिक्री में काले रंग की कारों का हिस्सा 9 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 19 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, सफेद रंग की कारें अब भी कंपनी की घरेलू बिक्री का बड़ा हिस्सा बनी हुई हैं, और पिछले चार वर्षों में इनकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही, गहरे हरे रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है।

2021 में इस रंग की केवल 1 प्रतिशत कारें बिकी थीं, जबकि 2024 के पहले 11 महीनों में इसकी बिक्री 5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। तरुण गर्ग के अनुसार, युवाओं में नए रंगों को अपनाने का रुझान बढ़ रहा है, और एसयूवी वाहनों की बढ़ती मांग के कारण गहरे रंगों की कारों की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। जैटो डायनैमिक्स के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं का रंग चयन वैश्विक रुझान के अनुरूप बदल रहा है। बीएएसएफ की जनवरी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर काले रंग की कारों की लोकप्रियता 2022 में 18 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 21 प्रतिशत हो गई, जबकि सफेद रंग की कारों की हिस्सेदारी घटकर 36 प्रतिशत रह गई।

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस विस्तार

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस का विस्तार, यूजर्स कर सकेंगे आसानी से पेमेंट

जल्द लांच होगी रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750

नई दिल्ली

हाल ही में रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 बाइक को दक्षिणी यूरोप में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, और इसकी तस्वीरों से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह बाइक जल्द ही बाजार में आ सकती है। रॉयल एनफील्ड के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित हिमालयन 750 अब प्रोडक्शन के करीब है।

हालांकि, इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग 2026 में होने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में इसे कंपनी प्रोजेक्ट आर2जी के नाम से पहचान रही है। नई हिमालयन 750 का डिजाइन पिछली बाइक्स से अलग और ज्यादा एडवांस है। इसमें 19 इंच फ्रंट और 17 इंच रियर स्पोक व्हील सेटअप होगा, जो कि एडजस्टेबल अपसाइड-डाउन फोर्क्स और मोनोशॉक के साथ आएगा। साथ ही, इसमें ड्यूल फ्रंट डिस्क ब्रेक सेटअप मिलेगा, जिसमें बॉब्रे कैलिपर्स का उपयोग किया जाएगा। यह रॉयल एनफील्ड का अब तक का सबसे एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम होगा, जो बाइक के राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। बाइक में नया फ्रंट काउल और बड़ी विंडस्क्रीन भी दी गई है, जो इसे एडवेंचर और टूरिंग के लिए आदर्श बनाती है।

इसमें बड़ा टीएफटी डिस्प्ले, गियर पोजिशन इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नई हिमालयन 750 में एक नया 750सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो मौजूदा 650सीसी इंजन का ज्यादा पावरफुल वर्जन होगा। यह इंजन 50+ बीएचपी और 55+ एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा, और इसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

साल के पहले दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली

साल 2025 के पहले दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोना सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये से लेकर 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये से लेकर 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट नजर आ रही है। इस कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

किसी भी बैंक से निकाल सकते हैं पेंशन, नए साल में 10 बड़े वित्तीय परिवर्तन

नई दिल्ली। 1 जनवरी 2025 से कई बड़े वित्तीय बदलाव किए गए हैं इसमें पेंशनर को सबसे ज्यादा लाभ है इसके साथ ही किसानों को बिना गारंटी दो लाख रुपए लोन की सीमा को बढ़ाया गया है। यूपीआई के माध्यम से अब 10000 रूपये तक का भुगतान किया जा सकता है। फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई के माध्यम से लेनदेन की सीमा को 5000 से बढाकर 10000 कर दिया गया है। यूपीआई लाइट के लिए भी प्रति लेनदेन अधिकतम सीमा 500 रूपये से बढ़कर 1000 रूपये कर दी गई है। किसान बिना किसी गारंटी के अब 200000 रूपये तक का लोन ले सकेंगे। पहले यह सीमा 1.6 लाख थी। ईपीएफओ के 78 लाख से ज्यादा पेंशन भोगी किसी भी बैंक की ब्रांच से अपनी पेंशन निकाल सकेंगे। 1 जनवरी से मारुति सुजुकी हुंडई महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और अन्य वाहन की कीमतें 2 से 4 फीसदी तक महंगी हो जाएंगी। बैंक और एनबीएएफसी वित्तीय संस्थाओं को अब एक माह के स्थान पर हर 15 दिन में क्रेडिट स्कोर को अपडेट करना होगा। जीएसटी पोर्टल पर एक्सेस के लिए अब कारोबारी को ओटीपी जैसे मल्टी फैक्टर पहचान को जरूरी बनाया गया है। जीएसटी के ई वे बिल अब 180 दिनों के भीतर जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर ही बनाने की अनुमति होगी। बीएससी और बैंक के सेंसेक्स के साप्ताहिक अनुबंध को शुक्रवार के स्थान पर मंगलवार कर दिया गया है।

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में तीन सप्ताह बिताने के बाद मंगलवार से छुट्टी दे दी गई है। 7 दिसंबर को एपिंग, एसेक्स में हुई दुर्घटना के बाद एंटोनियो के निचले अंग में फ्रैक्चर की सर्जरी की गई थी और उन्हें सेंट्रल लंदन के एक अस्पताल में ले जाया गया था। नेशनल हेल्थ सर्विसेज और एयर एम्बुलेंस यूके की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद, कार में फंसे एंटोनियो को वाहन से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। ईस्ट लंदन स्थित इस क्लब ने एनएचएस और एयर एम्बुलेंस को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देने के लिए चैरिटी के माध्यम से 60,000 पाउंड तक जुटाए हैं। क्लब की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया, वेस्ट हैम यूनाइटेड ने हाल ही में प्रीमियर लीग में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ़ खेले गए मैच में पहने गए कपड़ों की नीलामी के बाद एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी को लगभग 60,000 पाउंड का दान दिया है। मिशेल एंटोनियो की सड़क दुर्घटना के बाद हुई नीलामी से प्राप्त राशि एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी के बीच बराबर-बराबर बांटी जाएगी, जो यूके की एयर एम्बुलेंस चैरिटी के जीवन रक्षक कार्यों का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय चैरिटी है। एंटोनियो प्रीमियर लीग में वेस्ट हैम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं, जिन्होंने 268 लीग मैचों में 68 गोल किए हैं।

वेस्ट हैम के कप्तान जेरोड बोवेन ने कहा, हम सभी एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके दोनों द्वारा मिशेल को उनके और उनके परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दी गई देखभाल के लिए आभारी हैं, और वे देश भर के लोगों के लिए हर दिन जो करते रहते हैं, उसके लिए भी आभारी हैं। कठिन समय के दौरान एक साथ रहना ही वेस्ट हैम यूनाइटेड का हिस्सा होना है और टीम की ओर से, मैं दो महान कारणों के लिए अविश्वसनीय राशि जुटाने में हमारी मदद करने के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। वेस्ट हैम यूनाइटेड की मुश्किलें और बढ़ गई हैं, एंटोनियो के बाहर होने के बाद, क्लब ने इस खबर के साथ अपने सीज़न को एक बड़ा झटका दिया है कि कप्तान जेरोड बोवेन के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। यह चोट रविवार को लंदन स्टेडियम में लिवरपूल के खिलाफ़ हैमर्स की 0-5 की हार के दौरान लगी थी।

न्यूज़ ब्रीफ

कार्लसन ने नेपोमनियाचची के साथ साझा किया ब्लिट्ज़ खिताब; महिला वर्ग में वेनजुन चैंपियन

नई दिल्ली। ऐतिहासिक और पहले कभी न देखे गए परिणाम के तहत, मौजूदा विश्व ब्लिट्ज चैंपियन नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने बुधवार को न्यूयॉर्क के वॉल स्ट्रीट में रूस के इयान नेपोमनियाचची के साथ 2024 विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप का खिताब साझा किया। दोनों खिलाड़ियों ने सडन डेथ में लगातार तीन बार ड्रॉ खेला, जिसके बाद खिताब साझा करने का फैसला किया गया। इससे पहले, कार्लसन ने लगातार दो जीत के साथ फाइनल की शुरुआत की और जीतने के लिए उन्हें सिर्फ एक ड्रॉ की ज़रूरत थी, लेकिन नेपोमनियाचची ने अविश्वसनीय लड़ाई और लचीलापन दिखाया। उन्होंने डिमांड पर एक बार नहीं बल्कि दो बार जीत हासिल की, अंतिम स्कोर 2.0-2.0 से बराबर होने के बाद सडन डेथ को मजबूर किया। तीन सडन-डेथ गेम्स में दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई अंतर नहीं था और कार्लसन ने नेपोमनियाचची को खिताब साझा करने की पेशकश की, और फीडे ने अंतिम पुष्टि की। यह फाइनल 2021 क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच का दोहराव था, जिसमें नेपोमनियाचची कार्लसन से मैच हार गए थे। संयोग से, कार्लसन ने नेपोमनियाचची के दूसरे स्थान पर रहने के अभिशाप को भी तोड़ दिया। रूसी खिलाड़ी सात अलग-अलग मैचों में फाइनल में लड़खड़ाने के बाद खिताब जीतने में विफल रहे थे। उन्होंने 2013, 2015 और 2021 विश्व रैपिड चैम्पियनशिप, 2014 विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप, 2022 विश्व फिशर रैंडम चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता है और 2021 और 2023 क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह कार्लसन का आठवां ब्लिट्ज खिताब और 18वीं प्रमुख विश्व चैम्पियनशिप जीत है, इससे पहले उन्होंने पांच क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप और इतनी ही रैपिड विश्व चैम्पियनशिप जीती हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्वार्टरफाइनल गेम 2 में वह यूएसए के हैंस नीमन से हार गए और पहले दो गेम के बाद मैच में 0.5-1.5 से पिछड़ गए। अपने पुराने अंदाज में कार्लसन ने जोरदार वापसी की और नीमन को लगातार दो गेम में हराया और सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल में पोलैंड के जान-क्रिस्टोफ डूडा - जो चीन के डिंग लिरेन पर विश्व चैंपियनशिप में डी. गुकेश के लिए सेकंड में से एक थे - कार्लसन के सामने कोई मुकाबला नहीं कर पाए। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने पोलैंड के खिलाड़ी को 3.0-0.0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में चीन की जू वेनजुन ने फाइनल में हमवतन लेई टिंगजी को हराकर महिला विश्व ब्लिट्ज चैंपियन का खिताब जीता। ओपन सेक्शन की तरह ही, फाइनल 2023 में खेले गए विश्व चैम्पियनशिप मैच का दोहराव था, जो वेनजुन और टिंगजी के बीच खेला गया था। और वेनजुन ने फाइनल में लगातार पांच गेम ड्रॉ खेलने के बाद भी चीनी समकक्ष पर डबल जीत हासिल की। नॉकआउट में भारत की एकमात्र उम्मीद, आर. वैशाली ने क्वार्टर फाइनल में चीन की झू जिनर के खिलाफ हार के साथ शुरुआत की, लेकिन चार गेम के बाद मैचअप 2.5-1.5 से जीतने के लिए जल्दी ही वापसी की।

मनु भाकर ने नववर्ष की शुभकामनाएं दीं, कहा-आइए नए संकल्पों के साथ 2025 का स्वागत करें

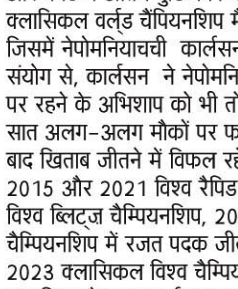

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने बुधवार को नए साल की शुभकामनाएं दीं। भारत ने पूरे देश में जश्न के साथ 2025 का स्वागत किया और विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को खुशी और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम वाली सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मनु ने कहा, 2024 के उतार-चढ़ाव, अच्छे और बुरे के लिए चीयर्स! आइए 2025 का स्वागत नए संकल्पों के साथ करें जो हमारे जीवन को बेहतर बनाते हैं। पेरिस ओलंपिक का मुख्य आकर्षण निशानेबाज मनु भाकर का प्रदर्शन था। 22 वर्षीय मनु स्वतंत्रता के बाद के युग में ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। इससे पहले यह गौरव पेरिस 1900 खेलों में नॉर्मन प्रिचर्ड के नाम था। मनु ने महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करके ओलंपिक में भारत के लिए पदक तालिका खोली, वह भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज बन गईं। इसके बाद, सरबजोत सिंह और भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल (मिश्रित टीम) स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो भारत का पहला शूटिंग टीम पदक था। अपने अंतिम इवेंट में, भाकर ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रेबल से चूक गईं और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। वह ओलंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का अवसर चूक गईं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग अंक, हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह

नई दिल्ली

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने मेलबर्न में एक और सफल टेस्ट मैच के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जिसमें उन्होंने मैच में नौ विकेट लिए थे। सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड और आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामित किये गए बुमराह ने रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ते हुए 907 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किये हैं।

बुमराह अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर डेरेक अंडरवुड के साथ सर्वकालिक सूची में संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस सूची में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सिडनी बार्न्स (932) और जॉर्ज लोहमैन (931) शीर्ष पर हैं। जबकि इमरान खान (922) और मुथैया मुरलीधरन (920) तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस, 837 रेटिंग पॉइंट के साथ टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। जबकि जोस हेजलवुड 843 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

2025 का पहला साप्ताहिक अपडेट जिसमें सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट और बुलावायो में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट मैच में प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है, कमिंस ने 283 अंकों के साथ ऑलराउंडरों की सूची में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा थान हासिल किया है, जो अगस्त 2019 में हासिल किए गए उनके पांचवें स्थान से बेहतर है। ऑलराउंडरों की सूची में रवींद्र जडेजा 405 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

मेलबर्न टेस्ट में कमिंस की 49 और 41 की पारी ने उन्हें बल्लेबाजों के बीच 10 पायदान ऊपर चढ़कर 97वें स्थान पर पहुंचा दिया है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जेनसन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने दूसरी पारी में 52 रन देकर छह विकेट लिए, जिससे उन्हें पहली बार 800 रेटिंग अंक हासिल करने में मदद मिली। वहीं पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने मैच में सात विकेट लेने के बाद 23वें स्थान पर फिर से रैंकिंग में प्रवेश किया है।

नसीम शाह (छह स्थान ऊपर 33वें स्थान पर) और डेन पैटरसन (आठ स्थान ऊपर 46वें स्थान पर) सेंचुरियन में अपने प्रदर्शन के रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड (सात स्थान ऊपर 38वें स्थान पर) और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट (48 स्थान ऊपर 94वें स्थान पर) भी गेंदबाजी रैंकिंग में बढ़े हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज सऊद शकील दूसरी पारी में 84 रन बनाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। स्टीव स्मिथ 140 रन बनाकर तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 84 और 82 रन बनाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 854 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सेंचुरियन में 89 और 37 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच बने दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 16वें थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के नितीश कुमार रेड्डी आठवें नंबर पर अपने शानदार शतक के बाद 20 पायदान ऊपर 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीन विलियम्स की 154 रनों की पारी ने उन्हें 653 अंकों के साथ 19वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जो कि 2014 में ब्रेंडन टेलर के 684 अंकों तक पहुंचने के बाद जिम्बाब्वे के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वोच्च अंक हैं। रहमत शाह (234) और हशमतुल्लाह शाहिदी (246) की अफगानी जोड़ी क्रमशः 52वें और 57वें स्थान पर पहुंच गई है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में, श्रीलंका के पथुन निसांका बल्लेबाजों में तीन स्थान ऊपर छठे स्थान पर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर (पांच स्थान ऊपर नौवें स्थान पर) और मथेशा पथिराना (आठ स्थान ऊपर 26वें स्थान पर) अपनी टी20 श्रृंखला के पहले दो मैचों के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में ऊपर आ गए हैं, जिसमें मेजबान न्यूजीलैंड 2-0 से आगे है।

इंग्लैंड के दिग्गज वेन रूनी को दूसरे दर्जे, के क्लब प्लायमाउथ ने कोच पद से हटाया

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर वेन रूनी का कोचिंग करियर मंगलवार को प्लायमाउथ आर्गीले द्वारा बर्खास्त किए जाने के बाद बर्बाद होता दिख रहा है। रूनी ने गर्मियों में तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके केवल सात महीने बाद ही वे क्लब छोड़ रहे हैं। इस क्लब के 23 मैचों में से केवल 18 अंक हासिल करने के साथ ही प्लायमाउथ इस डिवीज़न में सबसे निचले पायदान पर है। पिछले नौ मैचों में से छह में उसे हार का सामना करना पड़ा है और डिवीज़न में उसका डिफेंसिव रिकॉर्ड सबसे खराब है। उसने 51 गोल खाए हैं और केवल 22 गोल किए हैं। प्लायमाउथ ने सोशल मीडिया पर रूनी के जाने की घोषणा करते हुए कहा कि क्लब और कोच ने तुरंत प्रभाव से अलग होने पर आपसी सहमति जताई है। रूनी ने उन्हें प्रबंधन का मौका देने के लिए प्लायमाउथ को धन्यवाद दिया और कहा कि क्लब के लिए उनके दिल में हमेशा एक विशेष स्थान रहेगा। 39 वर्षीय रूनी के लिए उनके छोटे से कोचिंग करियर में यह बर्खास्तगी निराशाओं की एक श्रृंखला में नवीनतम है, जिससे किसी और के लिए उन्हें नौकरी देने का जोखिम उठाना मुश्किल हो जाएगा। बर्मिंघम सिटी में कुछ क्षण बिताने के बाद उन्हें आश्चर्यजनक रूप से प्लायमाउथ की नौकरी दी गई, जहाँ उनके प्रभारी के रूप में 15 मैचों में से केवल दो जीत और नौ हार के दौर ने क्लब को मिड-टेबल से लीग वन (तीसरे डिवीज़न) में पहुंचा दिया। बर्मिंघम से पहले, रूनी ने यूएस आउटफिट, डीसी यूनाइटेड को कोचिंग दी, जिसमें 14 जीत, 14 ड्रॉ और 25 हार शामिल थीं। उनकी पहली कोचिंग नौकरी डर्बी काउंटी में थी, जहाँ उन्होंने कठिन वित्तीय परिस्थितियों में डगआउट में अपने 84 मैचों में से 24 जीते और 22 ड्रॉ किए, जो 2021-22 सीज़न के अंत में डर्बी के लीग वन में जाने के साथ समाप्त हुआ।

आयुष लिस्ट ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

अहमदाबाद। मुंबई के आयुष म्हात्रे ने यहां नगालैंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में 181 रनों की अपनी पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। आयुष अब लिस्ट ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का के खिलाड़ी बन गये हैं। आयुष ने अपनी इस पारी के साथ ही यशस्वी जयसवाल का रिकॉर्ड तोड़ दिया आयुष ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में यशस्वी के बनाये पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यशस्वी ने 17 साल और 291 दिन की उम्र में साल 2019 में झारखंड के खिलाफ मुंबई की ओर से खेलते हुए 150 से अधिक रन बनाये थे। आयुष ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर ही 181 रन बनाए। उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 403 रन बनाए।

फलेवियो कोबोजी यूनाईटेड कप

सिडनी में इटली के फलेवियो कोबोजी यूनाईटेड कप टेनिस में बैकहैंड शॉट लगाते हुए।

आईपीएल में अनसोल्ड रहने के बाद डेविड वार्नर ने पीएसएल सीजन 10 ड्राफ्ट के लिए कराया पंजीकरण

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए हस्ताक्षर करने वाले नवीनतम खिलाड़ी बन गए हैं। पीएसएल ने वार्नर के ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण की पुष्टि करते हुए एक्स लिखा, 2024 का शानदार अंत। ऑस्ट्रेलियाई पावरहाउस डेविड वार्नर ने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण कराया है! आगामी पीएसएल सीजन 10 के लिए नीलामी का आयोजन 11 जनवरी को बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में होगा। यह सीजन 8 अप्रैल से शुरू होगा और 19 मई को समाप्त होगा। मंगलवार को वार्नर की घोषणा से पहले, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउथी ने भी पीएसएल सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए साइन अप किया था।

पीएसएल ड्राफ्ट में प्रवेश करने से पहले, वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में शामिल हुए, लेकिन उन्हें अपने लिए कोई खरीदार नहीं मिला। वार्नर को ऑस्ट्रेलिया का सबसे बेहतरीन ऑल-फॉर्मेट ओपनर माना जाता है, उन्होंने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुपर आठ से बाहर होने के बाद खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने सात मैचों में दो अर्द्धशतकों सहित 178 रनों के साथ अभियान का अंत किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 44.59 की औसत से 8,786 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 335* है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 161 एकदिवसीय मैच खेलते हुए वार्नर ने 45.30 की औसत और 97 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 6,932 रन बनाए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 179 है। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वार्नर टी20आई में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 110 मैचों में 33.43 की औसत और 142.47 की स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। 383 मैचों में 18,995 रन, 49 शतक, 98 अर्द्धशतक, दो आईसीसी क्रिकेट विश्व कप खिताब, एक आईसीसी टी20 विश्व कप और आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब के साथ, वार्नर ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और सभी समय के सबसे महान ऑल-फॉर्मेट सलामी बल्लेबाजों में से एक के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

मालदीव के खिलाफ दूसरे मैच में और अधिक नए, खिलाड़ियों को मौका देंगे भारतीय कोच अलेक्जेंडरसन

बेंगलुरु

जोकिम एलेक्जेंडरसन ने भारत में अपने कोचिंग करियर की शानदार शुरुआत की, उनकी कोचिंग में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने बेंगलुरु में फीफा महिला मैत्री मैचों में से पहले मैच में मालदीव को 14-0 से हराया। खास बात यह रही कि आठ खिलाड़ियों ने सीनियर इंडिया में पदार्पण किया, और स्वीडिश खिलाड़ी ने भरोसा दिलाया कि 2 जनवरी को होने वाले दूसरे मैच में और भी खिलाड़ी शामिल होंगे। गुणवत्ता में अंतर पहली सीटी से ही स्पष्ट था। जबकि एलेक्जेंडरसन खुश थे कि अधिकांश चीजें योजना के अनुसार काम करती हैं, अब वह यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि गुरुवार को उनकी बेंच क्या पेश करती है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के हवाले से उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि हमने खेल का अच्छा उपयोग किया। हम उनके लिए बहुत बड़े थे। हमने अपने पास मौजूद लाभ का उपयोग किया और गेंद को आगे बढ़ाने, पीछे की जगह का उपयोग करने, वाइड जाने और सेंट्रल लाइन का उपयोग करने के संबंध में सुधार किया। तो हाँ, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर यह हमारा अच्छा प्रदर्शन था। उन्होंने कहा, हम अगले गेम में शुरू से ही अधिक अनुभवहीन लड़कियों को शामिल करने के अवसर का उपयोग करने जा रहे हैं। हम कुछ रोटेशन करने जा रहे हैं। आइए देखें कि वे अगले गेम में क्या पेश कर सकते हैं। पदार्पण करने वालों में लिंडा कोम सेर्टो सबसे प्रभावशाली साबित हुईं, उन्होंने चार गोल किए। जो लोग स्ट्राइकर को उसके शुरुआती वर्षों से फॉलो करते आए हैं, वे इसे उसका सामान्य प्रदर्शन ही कहेंगे, भले ही यह उसका सीनियर डेब्यू था। लिंडा ने पहली बार तब सुर्खियाँ बटोरीं, जब उन्होंने 2017 में 12 साल की उम्र में सैफ अंडर-15 चैंपियनशिप में दो गोल किए।

वह 2022 में सैफ अंडर-18 चैंपियनशिप में मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर और शीर्ष स्कोरर थीं,और उसी साल बाद में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में भारत की नंबर नौ खिलाड़ी थीं। लिंडा ने साथी सीनियर स्ट्राइकर और ओडिशा एफसी टीम की साथी प्यारी ज़ाक्सा के साथ अच्छी साझेदारी की, जिसमें दोनों ने टीम के आधे गोल किए। एलेक्जेंडरसन ने कहा, मुझे लगता है कि लिंडा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वह सामरिक रूप से भी अच्छी थी, हमने खेल से पहले उसके बारे में बात की थी।

19 वर्षीय लिंडा ने कहा, मैं चार गोल करके बहुत खुश हूं। यह सीनियर टीम में मेरा पहला मैच था। मैं इन गोलों को अपने परिवार, कोच और साथियों को समर्पित करना चाहती हूं। मैं आने वाले मैचों में और गोल करना चाहती हूं। ये दोस्ताना मैच हमारे लिए उपयोगी हैं क्योंकि ये हमें एक टीम के रूप में बेहतर बनने में मदद करते हैं। जुलाई में एआईएफएफ की होनहार महिला खिलाड़ी का खिताब जीतने वाली नेहा ने भी भारत के लिए अपने पदार्पण मैच में दो गोल किए। स्थानापन्न काजोल डिसूज़ा ने भी ऐसा ही किया। रिम्पा हलधर ने अपने ड्रिबलिंग कौशल से तीसरे आक्रमण को आग में झोंक दिया और शानदार बिल्ड-अप खेल के बाद देश के लिए अपना पहला गोल किया।

यह अनुमान लगाते हुए कि मालदीव अपनी गलतियों से सीखेगा और दूसरे मैत्रीपूर्ण मैच में अधिक सुसंगत होने का प्रयास करेगा, एलेक्जेंडरसन गेंद के साथ तेज और चालाक खेल देखना चाहता है। तथ्य यह है कि उन्होंने 66वें मिनट के बाद कोई गोल नहीं खाया, यह इस बात का सबूत है कि वे एक अच्छी रक्षात्मक इकाई हो सकते हैं। एलेक्जेंडरसन ने कहा, मैं चाहता हूं कि हम चीजों को और भी तेज करें। मुझे लगता है कि हमारे प्रतिद्वंद्वी अगले गेम में बेहतर होने जा रहे हैं, इसलिए हमें गेंद के साथ निर्णय लेने में और भी तेज होना होगा।

सुझाव

3 योगासन जिनसे बच्चों के मन का डर दूर होगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा

योगा–योग एक प्राचीन भारतीय जीवन–जीने की कला है। जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने (योग) का कार्य होता है। योग के माध्यम से शरीर, मन और मस्तिष्क को पूर्ण रूप से स्वस्थ एवं विकसित किया जा सकता है। तीनों के स्वस्थ रहने से आप स्वयं स्वस्थ रहते हैं। योग के द्वारा न सिर्फ बीमारियों का निदान किया जाता है, बल्कि इसे अपनाकर कई शारीरिक और मानसिक कष्टों को भी दूर किया जा सकता है। योग रोग प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूत बनाकर जीवन में नई–ऊर्जा का संचार करता है। योगा शरीर को शक्तिशाली एवं स्वस्थ बनाए रखता है साथ ही तनाव से भी दूर करता है जो रोजमर्रा की ज़िन्दगी के लिए आवश्यक है। योग आसन और मुद्राएं तन और मन दोनों को क्रियाशील बनाती हैं।

ऐसे तीन योगासन जिससे बच्चों के मन का डर दूर होगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा

1. **वीरभद्रासन**– वीरभद्रासन मन को शांत रखता है। यह पाचन को ठीक करता है तथा बच्चों में डर और चिंता को दूर करने का कार्य करता है। इसे करना हो तो सबसे पहले सीधे तनकर खड़े हो जाइए। अब अपने दाएं पैर को 2 से 4 फिट तक आगे की ओर ले जाए। दाएं घुटने को थोा–सा मो दें और इस बात का ध्यान रहे कि बायां पैर सीधा हो तथा उसका तलवा जमीन से लगा हुआ हो। गहरी श्वांस भरते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें। अपने कंधों को आरामदायक स्थिति में रहने दें। अब श्वांस को धीरे–धीरे छोते हुए पहले की अवस्था में आ जाएं।

2 . **शवासन**– इस आसन कोकरना हो तो अपनी पीठ के सहारे लेट जाएं। पैर सीधे रखें। अपने दोनों हाथों को शरीर से कम से कम 5 इंच की दूरी पर इस तरह रखें कि दोनों हाथ की हथेलियां आसमान की ओर हो। अब शरीर के प्रत्येक अंग ढीला छो दें। आंखें बंद कर लें। पूरा ध्यान श्वांसों पर लगाएं।

3 . **वृक्षासन**– वृक्ष' का अर्थ पेड़ होता है। एकाग्रता और ध्यान में वृद्धि के लिए यह आसन किया जा सकता है। इसे करना हो तो सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों को एक दूसरे से कुछ दूरी पर रखें और हाथों को ऊपर उठाएं। इसे सीधा करके हथेलियों को आपस में मिलायें। इसके बाद दाहिने पैर को घुटने से मोड़ते हुए उसके तलवे को बाईं जांघ पर रख दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे को सीधा एक ही सीध में रखें। यह स्थिति वृक्षासन की है। कुछ समय तक शरीर का संतुलन बनाए रखें ,अब हाथ नीचे ले जाएं और मूल अवस्थो में लौट आएं।

पानी की शुद्धता के क्या हैं फायदे

अगर यह कहा जाए कि रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन जल ही जीवन है तो यह गलत नहीं होगा. खाने के बिना इनसान कई दिनों तक जी सकता है, पर जल के बिना कुछ दिन भी नहीं रह सकता. पानी सिर्फ प्यास बुझाने के ही नहीं, खाना बनाने, घर की साफसफाई, स्नान से ले कर उद्योगधंधों व खेतीबाड़ी तक के लिए बेहद जरूरी है. सिर्फ पानी का होना ही पर्याप्त नहीं, इस का शुद्ध और हैल्दी होना भी बेहद जरूरी है. पानी में कई तरह के नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया, घुलनशील तत्व और ठोस अशुद्धियां मौजूद हो सकती हैं. ऐसे में अशुद्ध पानी का सेवन हमें बीमार कर सकता है. यह उलटी, डायरिया, टायफाइड, पोलिया, पीलिया आदि होने का कारण बन सकता है. गंदे पानी से स्नान करने से त्वचा संबंधी रोग हो सकते हैं.

टीडीएस लैवल

पानी में कुल घुलित ठोस यानी टीडीएस लैवल का ध्यान रखना जरूरी है. पानी में कई तरह के खनिज जैसे मैगनीशियम, कैल्सियम, सोडियम आदि घुले होते हैं. इस के अलावा कम मात्रा में मगर खतरनाक घुलित ठोस पदार्थ भी होते हैं. जैसे आर्सेनिक फ्लूराइड और नाइट्रेट वगैरह. आमतौर पर पीने के पानी में टीडीएस लैवल 500 एमजी प्राप्त लिटर से अधिक नहीं होना चाहिए. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से 150 का स्तर बेहतर बताया है.

पानी शुद्ध करने के तरीके

पानी को शुद्ध करने का सब से पुराना और आसान तरीका है छानना. किसी कपड़े या छलनी से पानी को छान लिया जाता है. मगर इस तरीके से केवल ठोस पदार्थ ही बाहर निकलते हैं, घुलनशील गंदगी दूर नहीं होती.पानी को शुद्ध करने का दूसरा तरीका है उसे उबालना. कम से कम 15–20 मिनट तक पानी को तेज आंच पर उबाला जाता है. इस से उस में मौजूद नुकसानदेह बैक्टीरिया मर जाते हैं.रसायनों का प्रयोग कर के भी पानी को शुद्ध किया जाता है. आमतौर पर इस के लिए क्लोरीन और आयोडीन का इस्तेमाल होता है. इस से हानिकारक बैक्टीरिया आसानी से हटा दिए जाते हैं. पर इस पानी को भी पूरी तरह शुद्ध और हैल्दी नहीं कहा जा सकता. बहुस्तरीय शुद्धिकरण द्वारा भी पानी को साफ किया जाता है. पर इस में बिजली के प्रयोग के बगैर भी कई स्तरों पर पानी साफ किया जाता है. प्रीफिल्टर प्यूरीफिकेशन ऐक्टीवेटेड कार्बन प्यूरीफिकेशन, बैक्टीरिया का खात्मा और अंत में पानी का स्वाद भी बेहतर किया जाता है.

आरओ सिस्टम

पिछले कुछ समय से बाजार में जल शुद्धिकरण की नई तकनीक आ गई है. थोड़ी महंगी होने के बावजूद यह लोगों को काफी पसंद आ रही है. इस में पानी पूरी तरह शुद्ध हो जाता है. आरओ यानी रिवर्स आसमोसिस प्रोसैस, जिस के तहत पानी को तेज दबाव में साफ किया जाता है. यह काफी प्रभावशाली तरीका है. आरओ सिस्टम के अंतर्गत मुख्य रूप से 5 चरणों में सफाई होती है. पानी में मौजूद ठोस और घुलनशील गंदगी व बैक्टीरिया की सफाई कर इसे मीठा भी बनाया जाता है. खासतौर पर यदि टीडीएस की मात्रा एक खास स्तर से बढ़ जाती है तो आरओ एक बेहतरीन उपाय है. मगर बाजार में उपलब्ध ज्यादातर आरओ प्यूरीफायर स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह मुफीद नहीं होते. पानी में पहले से टीडीएस की मात्रा कम हो तो आरओ के प्रयोग से टीडीएस ज्यादा ही कम हो जाता है. आरओ पीने के पानी से जरूरी मिनरलस भी बाहर कर देता है. लंबे समय तक इस के इस्तेमाल से रोगप्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है.अब बाजार में टीडीएस कंट्रोल तकनीक से लैस प्यूरीफायर उपलब्ध हैं. इन के प्रयोग से पानी में टीडीएस की मात्रा का बैलेंस बना रहता है.

बेहतर स्वाद

बेहतर जल होने की वजह से कैंसर, रक्तचाप, हृदय की समस्याएं, त्वचा रोग जैसी बीमारियों से बचाव और ऊर्जा स्तर का सामान्य बने रहना। अब भारत में नई तकनीक आ गई है और बहुत सी मशहूर कंपनियां इस तरह के आरओ का निर्माण करने लगी हैं, जो पानी में आवश्यक मिनरल्स शामिल करते हैं और पीएच लैवल भी मैंटेन रखते हैं. आप को इस तरह के आरओ आसानी से बाजार में मिल जाएंगे.

फिट रहना है जरूरी, इसलिए कुछ सुझावों पर गौर फरमाएं

आलस त्यागें: सब से पहले आलस को त्यागते हुए सुबहसवेरे अपने पास के पार्क तक पैदल चल कर जाएं. यदि मौसम जाने की अनुमति नहीं देता है तो ट्रेडमिल पर कुछ समय बिता सकते हैं. अपने पास के मैट्रो स्टेशन तक भी चल सकते हैं. अपने वाहन को अपने कार्यस्थल से थोड़ी दूर पार्क करें ताकि आप कुछ दूर पैदल चल सकें. औफिस में लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें.

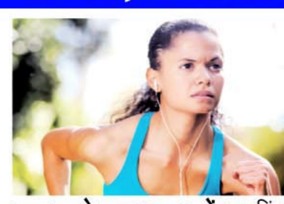

ड्राइव करते समय ध्यान रखें: ड्राइविंग पीठ दर्द प्रमुख कारणों में से एक है. खासकर उन के लिए जिन्हें लंबे समय तक यात्रा करनी पड़ती है. ड्राइव करते समय स्टीयरिंग व्हील से गलत दूरी बनाए रखने से गरदन, हाथों, कंधों, रीढ़ की हड्डी, पीठ, कलाइयों में परेशानी हो सकती है. इसलिए यह सुनिश्चित कर लें कि अपने स्टीयरिंग व्हील से सही ढंग से दूरी बना कर बैठना भी बहुत जरूरी है.

जब औफिस में हों: कार्यालय की कुरसी ऐसी होनी चाहिए जिस का निचला हिस्सा आप की पीठ के निचले हिस्से को सपोर्ट दे. कंप्यूटर स्क्रीन की ऊंचाई और आप में समानांतर होना चाहिए।

शारीरिक कसरत: कुरसी पर बैठे हुए ही कुछ हलके व्यायाम करने की कोशिश कर सकती हैं. सीधे बैठें और पैरों को फैलाते हुए उन की उंगलियों को ऊपर की ओर रखें. अब उन्हें 30 से 40 डिग्री के स्तर पर उठाने की कोशिश करें और फिर धीरेधीरे जमीन को छूएं बिना उन्हें नीचे तक लाए. इसे 10 से 15 बार दोहराएं. ऐसा करना न केवल आप की टमी को अंदर रखता है, बल्कि आप की पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करता है.

सुझाव

ऑफिस में रोज़ाना दिखना है स्टाइलिश तो फॉलो करें ये टिप्स

रोज़ाना अच्छे दिखने के चक्कर में हम कई सारे कपड़े खरीद लेते हैं, ताकि ऑप्शन्स की कमी ना पड़े. ज़्यादा कपड़े मतलब ज़्यादा खर्च. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, हम यहां आपको बताएंगे कि कैसे आप बिना ज़्यादा खर्च किए रोज़ाना स्टॉइलिश लुक पा सकती हैं.

रोज़ाना सुबह उठकर यही सोचना कि आज ऑफिस में क्या पहंनू? मेरे पास कपड़े नहीं हैं! ऐसा हर लड़की के साथ होता है. रोज़ाना सुबह 10 से 15 मिनट सिर्फ ये ही डिसाइड करने में निकल जाते हैं कि आज क्या पहना जाए. इस चक्कर में हम कई सारे कपड़े खरीद लेते हैं, ताकि ऑप्शन्स की कमी ना पड़े. ज़्यादा कपड़े मतलब ज़्यादा खर्च. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, हम यहां आपको बताएंगे कि कैसे आप बिना ज़्यादा खर्च किए रोज़ाना स्टॉइलिश लुक पा सकती हैं. यहां जाने 5 बेसिक ऑप्शन्स के बारे में जो आपकी फिजूल खर्च पर रोक लगा देंगे.

1. व्हाइट एंड ब्लैक शर्ट और टी-शर्ट

अपने वॉर्डरोब में एक सफेद और एक काली रंग की शर्ट और टी–शर्ट्स ज़रूर रखें. इन्हें आप किसी भी लोअर्स जैसे जींस, ट्राउज़र्स, सिगरेट पैंट, वाइड लेग्ड पैंट, स्कर्ट, जैगिंग या फिर पलाज़ो के साथ पहनें. जिस तरह आप एक बॉटम के साथ कई तरह की शर्ट्स और टी–शर्ट्स पहनती हैं ठीक वैसे ही इन दो शर्ट्स और टी–शर्ट्स के साथ डिफरेंट लोअर्स पहनकर एक्सपेरिमेंट करें.

2. ब्लू डेनिम

आपको कुछ भी पहनना हो जैसे शर्ट्स, टी–शर्ट्स, कुर्ता या फिर शॉर्ट कुर्ता, इन सबके साथ ब्लू डेनिम पहनें. इस डेनिम का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट ये है कि इससे कैजुअल और फॉर्मल दोनों लुक मिल जाते हैं. इस एक डेनिम को आप अपने ऑफिस में भी पहन सकती हैं और शाम को दोस्तों के साथ आउटिंग पर भी.

3. दो फुटवेयर

विंटर्स के लिए क्लोज़्ड शूज़ जैसे एक फॉर्मल बैली और बूट्स रखें. ताकी फॉर्मल मीटिंग के लिए आप बैली पहन सकें और जब भी अपने लुक को कूल बनाना हो तो बूट्स पहन लें. इसी तरह गर्मियों में भी एक ओपन सैंडल और दूसरी जूती अपने शू रैक में रखें. ताकि फॉर्मल लुक के लिए जूती पहन लें और बाकी दिन ओपन सैंडल.

4. एलबीडी

ऑफिस की पार्टीज़ के लिए हज़ारों खर्च करने के बजाय अपने पास एक एलबीडी (लिटिल ब्लैक ड्रेस) रखें. आप इस ड्रेस को ऑफिस के बाहर दोस्तों के साथ पार्टिज़ में भी पहन सकती हैं. इसके साथ फुटवेयर के तौर पर बैली, बूट्स, ओपन सैंडल, जूती या फिर हील्स कुछ भी पहन सकती हैं.

5. बेसिक कुर्तीज़

रंग–बिरंगी प्रिंटेड कुर्तियां खरीदने के बजाय अपने बॉर्डरोब में बेसिक कलर्स जैसे व्हाइट, येल्लो, ब्लैक, ब्लू कुर्तियां रखें. इन्हें आप अपने किसी भी लोअर्स के साथ पहनें. आप इसके साथ किसी भी तरह के फुटवेयर पहन सकती हैं, लेकिन बेस्ट लुक के लिए जूतियां पहनें.

डैंड्रफ करे खत्म और घटाए वज़न, जानें दही के 5 फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या शुभ काम की शुरूआत करना, दही का कई तरीकों से इस्तेमाल होता है. अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स के मुकाबले ये ज़्यादा पौष्टिक माना जाता है क्योंकि ये दूध, पनीर ये जल्दी पच जाता है. एक स्टडी के मुताबिक, दही में मौजूद पौष्टिक तत्व शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर दांत और हड्डियों को मजबूत बनाते हैं. इसके साथ ही दही खाने को जल्दी पचाने में काफी मदद करता है. यहां जानिए दही के ऐसे ही 5 फायदों के बारे में, जिन्हें जानकर आप दही रोज़ाना खाने लगेंगे.

1. इम्यूनिटी बढ़ाए

दही में मौजूद अच्छे बैक्टिरिया इम्यून सिस्टम को स्ट्रॉंग बनाते हैं. ये महिलाओं को वेजिनल इंफ्केशन से बचाता है. इस फायदे के लिए दही को किसी भी फॉर्म में खाया जा सकता है. जैसे किसी फल या मसाले में मिक्स करने, लेकिन सबसे बेस्ट है कि आप इसे प्लेन ही खाएं.

2. ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में हुई रिसर्च के मुताबिक डेयरी प्रोडक्ट्स, खासकर दही का सेवन हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करता है. ये दिल की बीमारियों और स्ट्रोक को होने से भी बचाता है. इस स्टडी में पाया गया कि दूध और पनीर का सेवन भी रक्तचाप पर लाभकारी प्रभाव दे सकता है, लेकिन इन सबमें दही सबसे ज़्यादा फायदेमंद होता है.

3. डैंड्रफ करे कम

अगर आपके बालों में डैंड्रफ की परेशानी रहती है तो दही इसका सबसे आसान और असरदार उपाय है. दही में मौजूद लैक्टिक एसिड में एंटी–फंगल प्रॉपर्टीज़ मौजूद होती है, जिससे ये सिर से डैंड्रफ को खत्म करने में मदद करता है. इसके लिए एक कटोरी दही को अच्छे से फेंटकर स्कैप्ल पर लगाएं और एक घंटे बाद नॉर्मल पानी से धो लें.

4. वज़न करे कम

सभी न्यूट्रिशनिस्ट्स वजन कम करने वाले डाइट प्लैन में दही को ज़रूर शामिल करते हैं. दही में मौजूद कैल्शियम शरीर में कॉर्टिसॉल हार्मोन को बनने से रोकता है. ये हार्मोन हाइपर टेंशन, ओबेसिटी और कोलेस्ट्रोल का कारण बनता है. अगर आपने अभी तक कोई डाइट प्लैन नहीं बनाया है और वज़न कम करना चाहते हैं तो दही को रोज़ाना अपने खाने के साथ शामिल करें.

5. चेहरा बनाए ग्लोइंग

दही में मौजूद विटामिन ई, जकिं और फॉस्फोरस स्किन की रंगत को निखारता है. इसे आप अपने फेस पैक में मिलाएं या खाली दही से चेहरे की दो मिनट मसाज दें. सबसे बेस्ट फेस पैक हैं बेसन और नींबू में दही मिलाकर हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाएं.

किसी को अचानक आ जाए हार्ट अटैक, तो करें ये एक काम

मौका था ऑफिस की दिवाली पार्टी का. सभी कलीग्स पार्टी एंजॉय कर रहे थे. दिवाली के रंगोली कॉम्पिटिशन, डेकोरेशन, तम्बोला जैसे कॉम्पिटिशन में हिस्सा ले रहे थे, हंस रहे थे. इन सब के बीच मेरे एक कलीग को बहुत तेज़ खांसी हुई. पार्टी का माहौल था, शोर भी था, हमें लगा सिर्फ नॉर्मल खांसी होगी. इसीलिए उन्हें पानी दिया और उन्होंने दो मिनट रुककर आने को कहा. हम भी मान गए और फिर से पार्टी में शामिल हो गए.

जैसे ही हम थोड़े आगे आए...हमें किसी के गिरने की आवाज़ आई. हमने पीछे मुड़कर देखा तो हमारा वही कलीग कुर्सी से नीचे गिरा हुआ था. उनके पैर काफी सख्त हो गए थे, एक हाथ से वो अपनी छाती को दबा रहे थे और दूसरे हाथ से टेबल पकड़ी हुई थी. हम सभी ने भागकर उन्हें संभाला. उन्हें पकड़कर पानी पिलाने की कोशिश की, हाथ–पैर रगड़े. उन्हें उठाकर सोफे पर लिटाया.

दो मिनट बीते...चार मिनट बीते...उनकी हालत में ज़रा–सा भी सुधार नहीं आया. इस बीच हम डॉक्टर को फोन कर चुके थे, लेकिन डॉक्टर को आने में कम से कम 10 से 12 मिनट लगते क्योंकि पास का हॉस्पिटल लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर था. हम उन्हें खुद हॉस्पिटल लेकर जाते, इसके लिए ज़्यादा वक्त लगता. इसीलिए डॉक्टर को ऑफिस ही बुलाया. इस बीच हमारे वो कलीग बेहोश हो गए. बेहोशी में उनके दोनों घुटने मुड़े हुए और दोनों हाथ छाती पकड़े हुए थे. फिर भी हम उनके हाथ–पैरों को रगड़ते रहे, मुंह पर पानी की छींटे मारते रहे. छाती मलते रहे.

डॉक्टर आए, उन्होंने फटाफट हमारे कलीग को देखा. डॉक्टर ने 10 मिनट लगाए. चेक किया, हार्ट बीट सुनी, नब्ज़ देखी, आंखें बार–बार खोल के देखी. आखिर में हम सभी को बताया कि %।द्ग द्वह्य ड्डश द्बशह्द्ग%...हम सभी ज़ोर का झटका लगा! कि ये क्या हुआ अभी कुछ देर पहले तो हम सभी एक साथ पार्टी एंजॉय कर रहे थे और अब!

डॉक्टर ने वजह बताई हार्ट अटैक यानी दिल का दौरा. लेकिन वो सिर्फ 26 का लड़का था, जिसे काम करते हुए सिर्फ दो साल ही हुए थे. हम सभी शॉक में थे कि सिर्फ 26 के लड़के को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है! लेकिन ऐसा हुआ और हमारे बीच अब वो कलीग नहीं रहा.

जिस तरह से हमारे उस कलीग ने छाती पकड़ी हुई थी उससे हमें ये लगा था कि शायद से हार्ट अटैक हो सकता है. लेकिन हमें कभी यह मालूम ही नहीं हुआ कि अचानक आए दिल के दौरे में तुरंत राहत कैसे दी जाती है.

यहां आपसे कुछ पॉइंट्स भी शेयर कर रहे हैं कि ऐसी सिचुएशन में क्या–क्या करना चाहिए.

1. मरीज़ को देखकर आप खुद घबराएं नहीं और फटाफट मदद के लिए आस–पास के लोगों और डॉक्टर को बुलाएं.
2. सबसे पहले चेक करें कि मरीज़ होश में है या नहीं.
3. अगर मरीज़ बेहोश है तो उसकी सांसे चेक करें. इसके लिए उसकी नाक के पास अंगुलियों या कानों से चेक करें कि सांसे चल रही है या नहीं.
4. मरीज़ की पल्स चेक करें.
5. अगर मरीज़ सांस भी ना लें और उसकी पल्स भी नहीं आ रही है तो उसे CPR दें.
6. CPR के लिए अपने बाएं हाथ को सीधा रखें उसके ऊपर दाएं हाथ को रख अंगुलियों को लॉक करें.
7. अब हाथों को छाती के बीचो–बीच लाएं और अपने पूरे प्रेशर से छाती को दबाएं.

रेसिपी

चिल्ली गार्लिक नूडल्स

सामग्री

तेल- 2 टेबलस्पून, लहसुन- 2 कली, साबुत लाल मिर्च-1 (कटी हुई), हरा प्याज-2 (कटा हुआ), प्याज- 2 टेबल स्पून, गाजर- 2 टेबलस्पून, हरी शिमला, लाल मिर्च- ड्ट (कटी हुई), चिल्ली,सोया सॉस- 1 टेबलस्पून, काली मिर्च-द टीस्पून, सिरका- 1 टेबलस्पून, चीनी- ड्ट टीस्पून, नमक- द टीस्पून, नूडल्स- 440 ग्राम या 2 पैकट (पके हुए), चिल्ली फ्लेक्स- ½ टीस्पून।

विधि

चिल्ली गार्लिक नूडल्सएक पैन में तेल गर्म करके उसमें लहसुन और लाल मिर्च के भूनें। इसके बाद इसमें हरे प्याज और लाल प्याज डालकर फ्राई कर लें। इसमें गाजर, हरी शिमला मिर्च और लाल शिमला मिर्च डालकर चलाएं। इसके बाद इसमें चिल्ली सॉस, सोया सॉस, सिरका, काली मिर्च, चीनी और नमक डालकर पकाएं। इसमें नूडल्स डालकर अच्छी तरह मिक्स करने के बाद हरे प्याज और चिल्ली फ्लेक्स डालें। आपके चिल्ली गार्लिक नूडल्स बन कर तैयार है। अब आप इस गर्मा–गर्म नूडल्स को सॉस के साथ सर्व करें।

बेसन चीला

सामग्री

1 कप बेसन, 1/4चम्मच हल्दी,1/4 चम्मच अजवाइन, नमक स्वादनुसार,आधा कप पानी,आधा प्याज (कटा हुआ), 2 बड़े चमच धनिये के पत्ते (कटे हुए), आधा टमाटर(कटा हुआ),1 इंच अदरक (कटा हुआ),1 हरी मिर्च (कटी हुई), 5 चमच तेल 1 हरी मिर्च (कटी हुई)।

विधि

बड़े बाउल में 1 कप बेसन मिलाएं। फिर इसमें 1/4चम्मच हल्दी, 1/4चम्मच अजवाइन और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसमें आधा कप पानी मिलाए और तब तक हिलाते रहे, जब तक यह स्मूद पेस्ट न बन जाएं। अब इसको 30 मिनट के लिए साइड पर रख दें। अब इस पेस्ट में आधा कटा प्याज ,आधा टमाटर, 2 बड़े चमच धनिया पत्ते, 1 इंच कटा हुआ अदरक और 1हरी मिर्च मिलाएं। फिर इसे अच्छे से मिस करें और फिर से स्मूद पेस्ट बना लें। एक गर्म तवे पर चमचे की मदद से इस पेस्टको फैलाएं। फिर चिल्ला के ऊपर तेल के कुछ चमच डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। चीला को दोनों साइड से पकाएं। बस बनकर तैयार है आपका बेसन चीला। इसे मोड़कर हरी चटनी के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)